आर.एन.आई. नं. 45080/85, पी.ओ.
रजि.नं. मालवा डिवी./04/2024-26

दैनिक अवन्तिका

सब पे नज़र, सबकी ख़बर

आज
* थल सेना दिवस

संस्थापक : स्व. श्री गोवर्धनलालजी मेहता | वर्ष 39 अंक 168 | इंदौर, गुरुवार 15 जनवरी, 2026 | माघ कृष्ण 12 संवत् 2082 | पृष्ठ-12 मूल्य-3.00 | www.awantika.com

59वें स्थापना दिवस पर शुभकामनाओं का आभार

आपका अपना पसंदीदा समाचार पत्र दैनिक अवन्तिका के 59वें वर्ष में प्रवेश करने पर सुधी पाठकों, संवाददाताओं, विज्ञापनदाताओं, हॉकर बंधुओं की प्रेम स्नेह की अभिव्यक्ति के साथ स्थापना दिवस की ढेरों शुभकामनाओं पर दैनिक अवन्तिका परिवार आभार व्यक्त करता है।

-प्रधान संपादक

देश विदेश

9 नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन की देश को जल्द मिलेगी सौगात

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की है कि भारतीय रेलवे जल्द ही 9 नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेगा। रेल मंत्री द्वारा घोषित रूटों के अनुसार, 9 में से 7 अमृत भारत एक्सप्रेस पश्चिम बंगाल से शुरू होंगी या पश्चिम बंगाल को जोड़ेंगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट साझा कर इन नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनों के प्रस्तावित रूटों की जानकारी दी है। असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र को दो नई अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेनें मिलेंगी। इनमें पहली ट्रेन कामाख्या (असम) से रोहतक (हरियाणा) के बीच चलेगी, जिससे पूर्वोत्तर का सीधा संपर्क हरियाणा और उत्तर भारत के औद्योगिक क्षेत्रों से स्थापित होगा।

'ओ रोमियो' के मेकर्स से 2 करोड़ की मांग

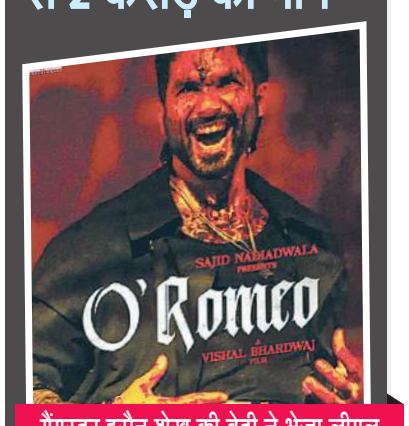

गैंगस्टर हुसैन शेख की बेटी ने भेजा लीगल नोटिस, पिता की छवि गलत दिखाने का आरोप

मुंबई। 'ओ रोमियो' के मेकर्स को मुंबई के कुख्यात गैंगस्टर हुसैन शेख उर्फ उस्तरा की बेटी सनोबर शेख ने 2 करोड़ का नोटिस भेजा है। सनोबर शेख ने नोटिस डायरेक्टर विशाल भारद्वाज और प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला के नाम से भेजा है। सनोबर का आरोप है कि फिल्म में उनके पिता की गलत छवि दिखाई गई है, जिससे उनके परिवार की रेप्यूटेशन को ठेस पहुंची है। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने नोटिस में दो करोड़ रुपए हजार्ना के तौर पर मांगा है। साथ ही, उसे भरने के लिए मेकर्स को सात दिन का समय दिया है। नोटिस में यह भी कहा गया है कि जब तक उनकी समस्या का समाधान नहीं निकलता, फिल्म को ना रिलीज किया जाए। ये नोटिस पिछले वीक भेजी गई है। बता दें कि फिल्म का टीजर रिलीज होने के बाद कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि शाहिद का किरदार गैंगस्टर हुसैन शेख उर्फ उस्तरा से प्रेरित है। हालांकि, फिल्म के मेकर्स की तरफ से ऐसा कोई भी दावा नहीं किया गया है। ओ रोमियो की बात करें तो विशाल भारद्वाज की ये मल्टीस्टरार फिल्म 13 फरवरी को रिलीज होगी। फिल्म को साजिद नाडियाडवाला ने प्रोड्यूस किया है। ये पहली बार होगा, जब विशाल और साजिद साथ काम कर रहे हैं। वहीं, शाहिद आठ साल बाद विशाल भारद्वाज के डायरेक्शन में काम कर रहे हैं। इससे पहले दोनों 'कमीने', 'रंगून' और 'हैदर' में साथ काम कर चुके हैं।

बीजेपी नेता रविशंकर प्रसाद के घर में लगी भीषण आग

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद के सरकारी आवास में आग लगने की घटना सामने आई है। यह आवास लुटियंस जोन स्थित 21 मदर टेरेसा क्रिसेंट रोड पर स्थित है। बुधवार सुबह करीब 8.05 बजे आग लगने की सूचना मिली। शुरूआत में दमकल विभाग को कोठी नंबर 2 में आग लगने की जानकारी दी गई थी, लेकिन मौके पर पहुंचने के बाद पता चला कि आग कोठी नंबर 21 में लगी है, जो रविशंकर प्रसाद का निवास है। आग घर के एक कमरे में रखे बेड में लगी थी। लपटें उठती देख तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचित किया गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कुछ ही समय में आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई भी व्यक्ति घायल नहीं हुआ।

नितिन नवीन 20 को संभालेंगे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेवारी

नईदिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए नितिन नवीन के नाम पर मुहर लग जाने की खबर है। सूत्रों के अनुसार नितिन नवीन 19 जनवरी को राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल करेंगे, जबकि 20 जनवरी को उनके नाम की औपचारिक घोषणा किए जाने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह स्वयं प्रस्तावक के तौर पर मौजूद रहेंगे। दोनों शीर्ष नेताओं की मौजूदगी से नितिन नवीन के नाम पर पार्टी नेतृत्व की पूरी सहमति और भरोसे का संकेत मिलता है। नितिन नवीन के नामांकन के मौके पर भाजपा शासित सभी राज्यों के मुख्यमंत्री और पार्टी के प्रदेश अध्यक्षों को दिल्ली बुलाया गया है, जिससे यह साफ है कि पार्टी इस चयन को एक बड़े राजनीतिक संदेश के रूप में प्रस्तुत करना चाहती है।

बाइक सवार को टक्कर मारने के बाद भड़के लोगों ने

शुक्ला ब्रदर्स की बस में लगाई आग

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर में विधायक गोलू शुक्ला की बस ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। इससे गुस्साई भीड़ ने बस में आग लगा दी। अफरा-तफरी मची तो फायर ब्रिगेड को बुलाया गया।

घटना पटेल ब्रिज के नीचे बुधवार सुबह करीब 9.30 बजे की है। फायर ब्रिगेड कर्मचारी के मुताबिक, छोटी ग्वालटोली के आगे शुक्ला ब्रदर्स की बस में आग लगने की सूचना मिली थी, जिसके बाद मौके पर फायर ब्रिगेड की टीम को भेजा गया। जब टीम पहुंची तो बस से काफी ऊंची लपटें निकल रही थीं।

फायर ब्रिगेड के एसआई शोभाराम मालवीय ने बताया, एक टैंक पानी डालकर आग पर काबू पाया गया। ड्राइवर अभी मौके पर नहीं मिला है। संभवतः वह बस में आग लगने के बाद गाड़ी से उतरकर बाहर आ गया हो। तुकोगंज टीआई जितेंद्र यादव के मुताबिक, एक बाइक को बस ने टक्कर मारी थी, इसके बाद बस में आग लग गई। बाइक सवार को ज्यादा चोट नहीं आई है। उसे उपचार के लिए निजी अस्पताल भेजा गया है।

माघ मेला में लगातार दूसरे दिन आग लगी

20 से ज्यादा शिविर चपेट में आए, कल्पवासियों में अफरा-तफरी मची

एजेंसी ▸▸ प्रयागराज

प्रयागराज माघ मेले के स्वामी राम सेवक शिविर में बुधवार शाम को आग भड़क गई। ऊंची उठती लपटों के साथ धुआं करीब 5 किमी दूर से भी दिख रहा था। आग की वजह अभी पता नहीं चल सका।

सेक्टर 4 में लोअर मार्ग में आग तेजी से 20 से ज्यादा शिविरों में फैल गई, फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर पानी की बौछार डाली और पूरे एरिया को सील कर दिया गया है, ताकि आग ज्यादा न फैले। पुलिस और संतों ने बचाव कार्य शुरू किया।

इस वक्त 10 फायर ब्रिगेड और 10 एंबुलेंस मौके पर हैं। 30 दमकल कर्मचारी लोगों को दूसरी जगह पर शिफ्ट करवा गया। अभी ये नहीं सामने आया है कि कितना नुकसान हुआ है, ये भी पता नहीं चला है कि आग कैसे लगी है।

भागीरथपुरा में दूषित पानी से मृत लोगों के परिजन से मिलेंगे

17 जनवरी को इंदौर आएंगे राहुल गांधी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी 17 जनवरी को इंदौर आएंगे और दूषित पानी से प्रभावित परिवारों से मिलेंगे। इस दिन कांग्रेस मध्य प्रदेश में मनरेगा योजना का नाम बदलने को लेकर विरोध प्रदर्शन करेगी।

प्रदेश के हर ब्लॉक में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता सामूहिक उपवास रखेंगे। साथ ही गांधी प्रतिमाओं के सामने धरना देकर भजन गाएंगे। इस दौरान इंदौर जल कांड में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि भी दी जाएगी। कांग्रेस के संगठन प्रभारी संजय कामले ने बताया कि राहुल गांधी के इंदौर आगमन की तारीख एआईसीसी (ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी) की तरफ से तय हो गई है। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इसकी पुष्टि कर दी है। इंदौर में दूषित पानी के कारण अब तक 23 लोगों की मौत हो चुकी है। इस मामले को लेकर एमपी कांग्रेस ने 11 जनवरी को इंदौर में न्याय यात्रा का आयोजन किया था। यात्रा में इंदौर और आसपास के 200 किलोमीटर क्षेत्र से कांग्रेस के विधायक, पूर्व विधायक, प्रदेश पदाधिकारी और जिलाध्यक्ष शामिल हुए थे। इस यात्रा में जितेंद्र पटवारी, उमंग सिंघार, दिग्विजय सिंह सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

10 मरीज आईसीयू में तीन वेंटिलेटर पर

- दूषित पानी के मामले में मंगलवार को डायरिया के 5 और मरीज सामने आए हैं। हालांकि गंभीर नहीं होने से उन्हें सामान्य ट्रीटमेंट ही दिया गया। अस्पताल में एडमिट मरीज 39 से घटकर 33 हो गए हैं। इनमें से 10 आईसीयू में हैं। इनमें से तीन मरीज लंबे समय से वेंटिलेटर पर हैं और उनकी हालत में खास सुधार नहीं हुआ है।
- जो मरीज वेंटिलेटर पर हैं उनके नाम एकनाथ सूर्यवंशी, पार्वतीबाई और हीरालाल हैं। तीनों ही बुजुर्ग हैं। अन्य मरीजों की हालत में कुछ सुधार है। इस मामले में अब तक 436 मरीज एडमिट हुए। इनमें से 23 की मौत हो गई, जबकि 403 को डिस्चार्ज कर दिया गया है।

मांझे से यूपी और कर्नाटक में 2 की मौत

एजेंसी ▸▸ जौनपुर

मकर संक्रांति पर पतंगबाजी के दौरान हादसे भी सामने आ रहे हैं। यूपी के जौनपुर में मांझे से गर्दन कटने से एक डॉक्टर की मौत हो गई। वहीं, एमपी के इंदौर और राजस्थान के बांसवाड़ा में दो बाइक सवारों की चाइनीज मांझे से गर्दन कट गई। दोनों अस्पताल में एडमिट हैं। कर्नाटक में भी मांझे से गला कटने से एक 48 साल के बाइक सवार की मौत हो गई।

लश्कर के आतंकी की हिंदुओं का गला काटने की धमकी

एजेंसी ▸▸ इस्लामाबाद

आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के आतंकी अबू मूसा कश्मीरी ने हिंदुओं की गर्दन काटने की धमकी दी है। उसने यह बयान पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में दिया। इसका वीडियो भी सामने आया है, हालांकि ये कब का है इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है।

वीडियो में अबू मूसा कहता है- कश्मीर मुद्दे का हल सिर्फ आतंकवाद और जिहाद से ही हो सकता है। आजादी भीख मांगने से नहीं, हिंदुओं की गर्दन काटने से मिलेगी। हमें जिहाद का झंडा उठाना होगा। अबू मूसा कश्मीरी लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े संगठन जम्मू कश्मीर यूनाइटेड मूवमेंट का मेंबर है। उसका नाम अप्रैल 2025 में पहलगाम में हुए आतंकी हमले से भी जुड़ा था। अपने भाषण में अबू मूसा ने पाकिस्तानी नेताओं पर भी गंभीर आरोप लगाए। उसने कहा कि पाकिस्तान के नेता इस्लामी सिद्धांतों से भटक चुके हैं और जिहाद के रास्ते पर नहीं चल रहे हैं। उसने कहा जो नेता जिहाद के लिए प्रतिबद्ध नहीं है, उसे पाकिस्तान पर हुकूमत करने का कोई अधिकार नहीं है। मूसा ने दावा किया कि वह पहले भी ऐसे ही बयान मुजफ्फराबाद में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ हुई एक बैठक में दे चुका है।

देश में थोक महंगाई 8 महीने में सबसे ज्यादा हुई

दिसंबर में खाने-पीने की चीजें महंगी, नवंबर में माइनस 0.32% थी

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

दिसंबर में थोक महंगाई (डबलूपीआई) बढ़कर 0.83 प्रतिशत पर पहुंच गई है। ये 8 महीनों का हाई लेवल है। खाने-पीने की चीजें महंगी होने से महंगाई बढ़ी है। इससे पहले नवंबर में ये माइनस 0.32 प्रतिशत पर थी। वहीं अक्टूबर में ये माइनस 1.21% पर आ गई थी। कॉमर्स मिनिस्ट्री ने आज यानी 14 दिसंबर को थोक महंगाई के आंकड़े जारी किए हैं।

रोजाना की जरूरत वाले सामानों (प्राइमरी आर्टिकल्स) की महंगाई माइनस 2.93 प्रतिशत से बढ़कर 0.21 प्रतिशत हो गई। खाने-पीने की चीजों (फूड इंडेक्स) की महंगाई माइनस 2.60 प्रतिशत से बढ़कर 0 प्रतिशत हो गई। फ्यूल और पावर की थोक महंगाई दर माइनस 2.27 प्रतिशत से घटकर माइनस 2.31 प्रतिशत रही। मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट्स की थोक महंगाई दर 1.33 प्रतिशत से बढ़कर 1.82 प्रतिशत रही।

नवंबर में रिटेल महंगाई बढ़कर 1.33 प्रतिशत हुई

दिसंबर में रिटेल महंगाई पिछले महीने के मुकाबले बढ़कर 1.33 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई है। ये तीन महीनों का हाई लेवल है। इससे पहले नवंबर में ये 0.71 प्रतिशत पर थी। वहीं अक्टूबर में ये 0.25 प्रतिशत पर थी, जो 14 साल में सबसे कम स्तर था।

थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहने से ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक ऊंचे स्तर पर रहता है तो प्रोड्यूसर इसका बोझ कंज्यूमर्स पर डाल देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए डबलूपीआई को कंट्रोल कर सकती है। जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कम कर सकती है। डबलूपीआई में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है।

थाइलैंड में पैसेंजर ट्रेन पर क्रेन गिरी, 30 की मौत

67 घायल, ज्यादातर स्कूली छात्र, 65 फीट ऊंचाई से मलबा गिरा, डिब्बे पटरी से उतरे

एजेंसी ▸▸ थाईलैंड

थाईलैंड में बुधवार को तेज रफ्तार से चल रही पैसेंजर ट्रेन पर 65 फीट ऊंचाई से एक क्रेन गिर गई। इसके चलते ट्रेन के कई डिब्बे क्षतिग्रस्त हो गए। न्यूज एजेंसी एपी के मुताबिक हादसे में 30 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, 67 यात्री घायल हुए हैं, जिनमें से कई की हालत गंभीर बताई जा रही है।

क्रेन का इस्तेमाल रेल ब्रिज के निर्माण में हो रहा था। हादसे के समय ट्रेन में 195 लोग सवार थे। अधिकारियों के मुताबिक, इनमें ज्यादातर यात्री स्कूल के छात्र थे। दुर्घटना के समय ट्रेन लगभग 120 किमी/घंटा की रफ्तार से चल रही थी। ड्राइवर को ब्रेक लगाने का मौका नहीं मिला यह दुर्घटना नाखोन राचासिमा प्रांत के सिखियो जिले में हुई। हादसे के वक्त ट्रेन राजधानी बैंकॉक से उबोन राचाथानी जा रही थी। क्रेन ट्रेन के तीन डिब्बों पर गिरा, जिनमें से दो डिब्बों में सबसे ज्यादा लोग सवार थे। इन्हीं डिब्बों में जानमाल का सबसे ज्यादा नुकसान हुआ।

न्यूज वेबसाइट नेशन थाईलैंड के मुताबिक क्रेन गिरने के कारण ड्राइवर को ब्रेक लगाने का मौका नहीं मिला। टक्कर के बाद क्रेन का मलबा कोच पर गिरा, जिससे कई डिब्बे पटरी से उतर गए। पटरी से उतरते ही डिब्बों में आग लग गई। हादसे के कुछ मिनट बाद रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। बचाव दल ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है।

ईरान में हालात बिगड़े, भारतीयों को तुरंत निकलने की सलाह

तेहरान में गुरुवार को एक साथ 300 शवों को दफनाया गया, प्रदर्शनकारी को सरेआम फांसी मिलेगी

एजेंसी ▸▸ तेहरान/वाशिंगटन

ईरान में हिंसक प्रदर्शन की वजह से भारत सरकार ने बुधवार को नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की है। इसमें कहा गया है कि जो भी भारतीय नागरिक, चाहे वे छात्र हों, तीर्थयात्री हों, व्यापारी हों या पर्यटक, इस समय ईरान में हैं, उन्हें जल्द से जल्द वहां से निकल जाना चाहिए।

इस एडवाइजरी में कहा गया है कि यह सलाह 5 जनवरी की पिछली एडवाइजरी के आगे की कड़ी है और ईरान की बदलती परिस्थितियों को देखते हुए दी गई है। सरकार ने यह भी दोहराया है कि सभी भारतीय नागरिकों को सावधानी बरतनी चाहिए। उन्हें विरोध प्रदर्शन या भीड़भाड़ वाली जगहों से दूर रहना चाहिए। ईरान में मौजूद भारतीय नागरिक भारतीय दूतावास के संपर्क में रहें और स्थानीय मीडिया पर नजर रखें ताकि किसी भी नई जानकारी से अवगत रहें।

ईरान स्थित भारतीय दूतावास ने यह पोस्ट किया है...

- दावा- ईरान में 12 हजार लोगों की मौत ईरान में बुधवार शाम 300 शवों को दफनाया जाएगा। अंग्रेजी अखबार द गार्डियन के मुताबिक, शवों में प्रदर्शनकारियों के साथ सुरक्षा बलों के शव भी शामिल होंगे। ये कार्यक्रम कड़ी सुरक्षा के बीच तेहरान यूनिवर्सिटी के कैंपस में हो सकता है।
- प्रदर्शन में मरने वालों की संख्या पर नजर रखने वाली अमेरिकी संस्था ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी ने बताया कि अब तक 2,550 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। इनमें 2,403 प्रदर्शनकारी और 147 सरकार से जुड़े लोग शामिल हैं।
- हालांकि ईरान से जुड़े मामलों को कवर करने वाली वेबसाइट ईरान इंटरनेशनल ने दावा किया है कि देशभर में कम से कम 12 हजार लोगों की मौत हुई है। ज्यादातर लोग गोली लगने से मारे गए हैं।

10 दिन बंद रहेगी मेट्रो

सिस्टम टेस्ट और कमीशनिंग के लिए सभी 16 स्टेशनों पर किया जाएगा ट्रायल

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंदौर के सुपर कॉरिडोर पर मेट्रो 15 जनवरी से 25 जनवरी तक पूरी तरह बंद रहेगी। गांधीनगर से रेडिसन चौराहे तक मेट्रो के परीक्षण और सिस्टम जोड़ने के काम पूरे करने के लिए यह रोक लगाई गई है।

इस साल मार्च तक प्राथमिक कॉरिडोर पर मेट्रो का संचालन शुरू होना है। अब सभी 16 स्टेशनों पर ट्रायल रन की तैयारी की जा रही है। इसके लिए सिग्नलिंग और टेलीकम्युनिकेशन (एसएंडटी) के काम अंतिम चरण में हैं। एमपीएमआरसीएल के अधिकारियों के अनुसार, चालू हिस्से को बाकी सेक्शन से जोड़ने के लिए तकनीकी परीक्षण जरूरी हैं। इसमें सिग्नल सिस्टम, टेलीकम्युनिकेशन, सुरक्षा उपकरण और कंट्रोल सिस्टम का समन्वय शामिल है। इसे सुरक्षित और समय पर पूरा करने के लिए मेट्रो का संचालन बंद किया गया है। मेगा ब्लॉक के दौरान पूरा कॉरिडोर टेस्ट और सिस्टम जोड़ने के काम किए जाएंगे।

11 जनवरी से मेट्रो सिर्फ एक बार चल रही थी। दोपहर 3 बजे मेट्रो गांधीनगर स्टेशन से चली और सुपर कॉरिडोर स्टेशन नंबर तीन पर 3.25 बजे वापस लौट गई। यात्रियों की कम संख्या के कारण फेरे कम किए गए थे।

महाकाल श्रृंगार

ज्योर्तिलिंग महाकालेश्वर का मंगलवार को आकर्षक श्रृंगार किया गया।

धर्मनगरी में नैतिकता पर सवाल...

बमुश्किल धर्म नगरी में धंधा चला है। दुकानदारों को काम के साथ दाम मिला है। श्रम को भी स्थान मिला है। श्रमिकों के घरों में चुल्हे पर अब कढाही चढने लगी है। बाबा की कृपा हर तरफ से श्रद्धालु के रूप में बरस रही है। जमकर भगत आ रहे हैं और धर्म नगरी में खर्च कर रहे हैं। पानी की बोतल बेचने वाला भी ईमान का कमा-खा रहा है। इस सबसे परे कुछ लोग चंद दिनों में ही धर्म के सहारे धर्मनगरी में नैतिकता को ताक पर रखकर अर्थलोलूपता में अंधे हुए जा रहे हैं। पूर्व में बाबा के मंदिर में कई मामले ऐसे सामने आए जिसमें दर्शन के नाम पर जमकर श्रद्धालुओं को लूटा गया।तडके की आरती के नाम पर जमकर बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं की जेब काटी गई। अति होने पर कई मामले वर्दी तक पहुंचे और उसके बाद उपर वाले की लाठी से आवाज नहीं आई दंड जरूर मिला। बाबा के कोतवाल के यहां भी इसी प्रकार नैतिकता को ताक पर रखकर बहुत कुछ किया जा रहा है। पूर्व में यहां कुछ लोग अवैध रूप से मदिरा बेचते थे । मनमाफिक पैसा वसूला जाता था। एक बार मदिरा वाले विभाग की रेड के दौरान हमले का मामला भी हुआ था। हालिया स्थिति में भी नैतिकता को ताक में रखकर श्रद्धालुओं को अवैध रूप से यहां प्रवेश करवाने एवं दर्शन करवाने के मामले में कुछ लोगों को पकडा गया है। खुसूर-फुसूर है कि बाहरी व्यक्ति कैसे श्रद्धा स्थल की व्यवस्था में सेंध मार लेता है और उसकी इतनी पकड हो जाती है कि वह बेकडोर से श्रद्धालुओं को इंट्री करवा देता है। सवालों पर सवाल जन्म लेते हैं। श्रद्धा स्थल की व्यवस्था में सेंध की स्थिति तभी बनती है जब कोई जयचंद होता है। यही कारण होता है कि मिलीभगत से ऐसे मामलों को अंजाम दिया जाता है। इस मामले में भी मिलीभगत वाले जयचंद को तलाश कर उन्हें भी सबक सिखाना ही होगा,अन्यथा मात्र 9 पर कार्रवाई से कुछ नहीं होगा कल 18 इस काम में शामिल दिखाई देंगे और परसों इनकी संख्या 36 पर पहुंचेगी। जब तक श्रद्धा स्थल समिति व्यवस्था में शामिल घून पर वार नहीं करेगी तब तक यह क्रम बंद होने वाला नहीं है।

संत रविदास धाम आश्रम पर मनाया जाएगा श्री रविदास जयंती महोत्सव

उज्जैन। खाक चौक, अंकपात मार्ग स्थित संत रविदास धाम आश्रम पर श्री रविदास जयंती महोत्सव समिति द्वारा रविवार को बैठक कर यह निर्णय लिया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी आने वाली 1 फरवरी, रविवार को माघ पूर्णिमा पर संत रविदास जयंती महोत्सव मनाया जाएगा जिसमे सतगुरु श्री रविदास जी महाराज को 56 महाभोग लगाकर समस्त समाजजनों द्वारा महाआरती की जाएगी व आरती पश्चात भोजन महाप्रसादी का आयोजन रखा जाएगा एवं इस अवसर पर रविदास समाज के वरिष्ठ समाजसेवियों, समाज की प्रतिभाओं व समाज के सभी प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को भी सम्मानित किया जाएगा, संत रविदास जयंती महोत्सव में मध्यप्रदेश शासन के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री डॉ.मोहन जी यादव जी, पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री डॉ. सत्यनारायण जी जटिया जी, लोकसभा सांसद श्री अनिलजी फिरोजिया जी, राज्यसभा सांसद बालयोगी श्री उमेशनाथ जी महाराज, उज्जैन उत्तर विधायक श्री अनिल जी जैन कालूहेड़ा जी, महापौर श्री मुकेश जी टटवाल जी, निगम अध्यक्ष बहन श्रीमती कलावती यादव जी सहित सभी जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाएगा।

पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने पर अगले 4-5 दिन में गिरेगा तापमान

दो दिन बाद कडक ठंड के आसार, मावठा इस बार रूठा हुआ

मावठा न गिरने से खेतों में नमी की स्थिति कमजोर, अधिकांश जगह सिंचाई की स्थिति

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

इस बार ठंड के आसार अभी तक बहुत ज्यादा कडाके वाले नहीं रहे हैं,लेकिन अगले कुछ दिनों में पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से इसमें जोरदार परिवर्तन के आसार है। कडाके की ठंड देखने को मिल सकती है। ठंडे दिनों का असर फरवरी आखिर तक जा सकता है। पिछले ढाई माह से मावठा नहीं गिरने से खेतों में रूखापन आने से अधिकांश जगह पर सिंचाई की स्थिति बन गई है।

मौसम विज्ञानी वीएस यादव का कहना है कि अभी मौसम शुष्क बना हुआ है, आगे भी बदलाव की ज्यादा संभावना नहीं है। कोई बड़ा सिस्टम नहीं है। इसलिए तापमान अभी इसी तरह बने रहेंगे। मामूली उतार चढ़ाव बना रहेगा। एक पश्चिमी विक्षोभ उत्तर पाकिस्तान और पंजाब की ओर चक्रवाती परिसंचरण के रूप में है। इसके दो तीन दिन बाद प्रभावी होने की संभावना है। इसके कारण अगर बर्फबारी होती है, तो चार पांच दिनों बाद फिर तापमान में गिरावट होने की संभावना है।

ये कारण है फरवरी तक ठंड के जाने का

मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार प्रशांत महासागर में देरी से बनी कमजोर ला नीना के कारण इस बार सर्दी में ठंडे दिनों और कोल्ड वेव की संख्या सामान्य से अधिक हो सकती है। यानी ठंडे दिनों का असर फरवरी आखिर तक जा सकता है। मौसम का यह बदलाव वैश्विक तापमान वृद्धि के बावजूद जलवायु परिवर्तन के साथ क्षेत्रीय पैटर्न में उतार-चढ़ाव के व्यापक संकेत बता रहे है। उत्तर और मध्य भारत में कड़ाके की ठंड और घने कोहरे की स्थिति बनी हुई है। जबकि, पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में बर्फबारी की कमी दिख रही है।

मावठा नदारद, फसल को पानी की जरूरत

ठंड का सीजन अपने अंतिम दौर में है। लेकिन, इस बार मौसम ने एक असामान्य स्थिति बनाई। बोवनी के बाद करीब ढाई महीने की ठंड का गुजर जाने के बावजूद प्रदेश में शीतकालीन बारिश यानी मावठे की एक भी बूंद नहीं गिरी। मौसम विशेषज्ञ इसे सूखी ठंड या ड्राई विंटर बता रहे हैं। इसका असर सिर्फ तापमान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि हवा में नमी न होने से खेती पर संकट की स्थिति दिख रही है। मौसम चक्र पर भी खतरे के संकेत दिखाई देने लगे हैं। आमतौर पर 1 नवंबर 28 फरवरी के बीच दिसंबर-जनवरी में हल्का मावठा होता है। यही बारिश मिट्टी में नमी बनाए रखती है, जो फसलों को सजीवनी देती है और ठंड को संतुलित करती है। इस बार कड़ाके की ठंड के कई

रिकॉर्ड बने। लेकिन, हवा पूरी तरह शुष्क रही और आसमान ज्यादातर साफ रहा।कृषि जानकारों के अनुसार गेहूं, चना सरसों के लिए मावठा संजीवनी होता है। इस बार मावठा के नदारद होने से कृषकों को ज्यादा सिंचाई करनी पड़ रही है, जिससे लागत बढ़ी है। मिट्टी कीऊपरी परत सूखने और न्यूनतम तापमान गिरने से पाले का खतरा बढ़ गया है। आलू, टमाटर और मटर में कीट और वायरस का प्रकोप बढ़ने की आशंका है।

मौसम संतुलन चक्र बिगड रहा

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि सर्दी में नमी की कमी का असर आगे भी दिख सकता है। मार्च में तेज गर्मी, प्री-मानसून में आंधी-तूफान और ओलावृष्टि की घटनाएं बढ़ सकती हैं। मानसून की शुरूआती चाल में भी बदलाव की आशंका है। सर्दियों में वायुमंडल को जरुरी नमी नहीं मिलती, तो मौसम का संतुलन चक्र बिगड़ जाता है। मौसम वैज्ञानिक एके शुक्ला के मुताबिक इस साल स्ट्रॉन्ग वेस्टर्न डिस्टर्बेस सक्रिय नहीं रहा। जो पश्चिमी विक्षोभ आए भी, वे कमजोर थे। इससे मध्य भारत तक नमी पहुंच ही नहीं पाई। न बादल बने और न बारिश की स्थिति बनी। नतीजा यह हुआ कि रात के तापमान में अचानक गिरावट आई और ठंड तीखी होती चली गई।

भूजल स्तर नीचे गिरा

गेहुं एवं चने की फसल को मावठा की बारिश नहीं मिलने एवं खेतों में नमी को बनाए रखने के लिए इस बार कृषकों को अधिक मेहनत करना पड रही है। इसके चलते खेतों में खडी फसल को नमी के लिए सिंचाई करना कृषकों की मजबूरी हो गई है। थ्री फेस बिजली एवं पानी की उपलब्धता के आधार पर कृषक दिन एवं रात दोनों समय खेतों में पानी से सिंचाई कर रहे हैं। सिंचाई के लिए नलकूप ही मुख्य सहारा हैं। फसलों को बचाने के लिए भूजल का जमकर दोहन किया जा रहा है। इसके चलते सभी क्षेत्रों में भू-जल के स्तर में एक दम से गिरावट की स्थिति सामने आ रही है। इसके चलते कई नलकूप आकस्मिक तौर पर बंद हो रहे हैं। इस कारण से कई कृषकों को पानी की समस्या से भी दो चार होना पड रहा है।

बच्चों और युवाओं में मकर संक्रांति को लेकर खासा उत्साह

आज पतंगों से सतरंगी होगा आसमान... दिनभर गूंजेगी काट्टा है की आवाज

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

आज लोगों के घर की छत पर काटटा है की आवाज दिनभर गूंजती रहेगी यह सिलसिला सुबह से दिन ढलने तक चलता रहेगा। एक दूसरे की पतंग काटने, पेंच लडाने की भी होड़ मची रहेगी। पतंग उड़ाने में न बच्चे पीछे रहेंगे, न युवा और न बुजुर्ग। बुजुर्ग नातियों की चरखी पकड़कर अपना शौक पूरा करेंगे तो युवाओं की टोलियां पेंच लड़ाएगी। युवाओं की टोलियों ने पतंगबाजी के लिए पूरी तैयार कर ली है। संक्रांति पर्व को लेकर मंगलवार को तोपखाना के पतंग बाजार में काफी भीड़ देखी गई तथा पतंग और डोर की जमकर बिक्री हुई।पतंगबाजी के मौके का पूरा लुत्फ उठाने के बच्चों व युवाओं की टोलियों ने छतों पर डीजे सेट लगाने की तैयारियां कर ली है । आज मकर संक्रांति पर जहां तिल गुड़ की मिठास घुली रहेगी वहीं दूसरी ओर आसमान रंग बिरंगी पतंगों से सतरंगी दिखाई देगा। बच्चों और युवाओं को संक्रांति का खासा इंतजार रहता है दो-तीन दिन पहले से ही वह तैयारी कर लेते हैं। चाइना डोर पर प्रशासन ने प्रतिबंध लगा रखा है और गुपचुप तरीके से चाइना डोर की बिक्री ना हो इसके लिए पुलिस प्रशासन भी आज सतत नजर रखेगा।ताकि पतंग उड़ाने में कोई भी चाइना डोर का इस्तेमाल नहीं करें जिससे कोई हादसा ना हो।

देर रात तक जारी रही तैयारी, तोपखाना में पतंग और डोर की जमकर हुई बिक्री

आसमान में रंग-बिरंगी पतंगों में पेंच लड़ाने की बच्चों व युवाओं ने मंगलवार को तैयारी पूरी कर ली। पतंगबाजी के मौके का पूरा लुत्फ उठाने के लिए मंगलवार को तोपखाना के पतंग बाजार में पतंग और डोर की जमकर खरीदारी की। पतंगबाजी के लिए देर रात तक शहर में पतंग और डोर की खरीदारी हुई। तोपखाना, फ्रीगंज, शहीद पार्क, नानाखेड़ा सहित अन्य इलाकों में बच्चों व युवाओं ने खूब पतंगें खरीदीं।

संक्रांति पर महाकाल को तिल के लड्डू पकवान अर्पित होंगे

शिप्रा में स्नान कर भगवान का पूजन करेंगे भक्त, तिल के तेल से स्नान करेंगे महाकाल

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

मकर संक्रांति पर्व पर शिप्रा नदी के घाटों पर बुधवार सुबह श्रद्धालु स्नान कर भगवान महाकाल का पूजन करेंगे। संक्रांति पर्व पर भगवान महाकाल को विशेष रूप से तिल के तेल से स्नान कर तिल्ली के लड्डू और पकवानों का भोग लगाया जाएगा।

महाकाल मंदिर के पंडित महेश पुजारी ने बताया कि मकर संक्रांति पर्व पर महाकाल मंदिर में तड़के होने वाली भस्म आरती के दौरान भगवान महाकाल को तिल के तेल से स्नान कराने और तिल्ली के पकवानों का भोग लगाया जाएगा। भगवान को गुड़ और शक्कर से बने तिल के लड्डुओं का भोग लगाकर जलाधारी में भी तिल्ली अर्पित की जाएगी।

मकर संक्रांति पर्व स्नान पर्व के रूप में मनाया जाता है, इसी तरह शिप्रा नदी पर दान पुण्य का लाभ लेकर लोग भगवान महाकाल के दर्शन करते है। महाकाल मंदिर में भस्म आरती में तिल गुड़ का भोग तिल से स्नान की परंपरा है। भोग लगाने के बाद पतंग भी अर्पित की जाती है।

सूर्य के उत्तरायन का पर्व मकर संक्रांति 14 और 15 जनवरी दो दिन षटतिला एकादशी पर सर्वार्थसिद्धि व अमृतसिद्धि योग के महासंयोग में मनाया जाएगा। ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में तड़के 4 बजे भस्म आरती में तिल उत्सव मनेगा। भगवान को तिल के उबटन से स्नान कराया जाएगा।

महाराजा महाविद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

महाराजा महाविद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर स्वामी विवेकानंद की जयंती हर्ष और उल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर अपने विचारों को व्यक्त करते हुए संस्था के वरिष्ठ आचार्य डॉ. चित्रांगद उपाध्याय ने कहा कि-स्वामी विवेकानन्द सम्पूर्ण विश्व के जेन-जी युवाओं के लिए आदर्श हैं। विशेषकर भारतीय युवकों के लिए स्वामी विवेकानन्द से बढ़कर दूसरा अनुकरणीय महापुरुष नहीं हो सकता।

चौडीकरण के क्षेत्र में पीएचई की नजरअंदाजी के चलते निजातपुरा क्षेत्र में रहवासी परेशान, मच्छर भी जमकर पनप रहे, मलेरिया का खतरा

गंदा पानी लाईन में मिल रहा, कनेक्शन टूटे हुए

दैनिक अवन्तिका ▸▸ उज्जैन

चौडीकरण के कामों में देरी से परेशानी की स्थिति बनने लगी है। इसके साथ ही चौडीकरण के क्षेत्रों में पीएचई की नजरअंदाजी और अनदेखी के कारण से पानी सप्लाय की लाईनें भी प्रभावित हो रही हैं। निजातपुरा कोतवाली क्षेत्र में इसी तरह की स्थिति सामने आ रही है। क्षेत्रीय नागरिकों के अनुसार कनेक्शन टूटे हुए हैं और उनसे गंदा पानी लाईनों में जा रहा है वही पानी सप्लाय में मिलने की स्थिति सामने आ रही है।

निजातपुरा कोतवाली रोड पर चौडीकरण का काम काफी समय से चल रहा है। इस क्षेत्र में नाली का निर्माण जारी है। इसके चलते सप्लाय लाईन से घरों के लिए ले जाई गई लाईन कई मकानों की टूटी हुई है। इन लाईनों के मुंह खुले हुए हैं और सडक के पास ही होने से इनमें गंदा पानी बराबर प्रवेश कर रहा है। क्षेत्र में बराबर काम के चलने से यहां पुरानी नालियों में पानी का बहाव सडक तक फैल रहा है। यह गंदा पानी टूटे पाईपों के माध्यम से अंदर प्रवेश करते हुए सप्लाय लाईन तक जा रहा है। ऐसे में सप्लाय के दौरान यह गंदा पानी भी बराबर वितरण में जा रहा है। क्षेत्रीय नागरिक विजय शर्मा बताते हैं कि गंदे पानी का इस तरह से लाईनों में मिलना खतरनाक साबित हो सकता है। इसके साथ ही मच्छरों की तादाद बढने से यहां के रहवासियों को मलेरिया एवं अन्य बुखार जैसी समस्या से जुझना पड सकता है।

मच्छरों की भरमार

चौडीकरण के चलते वर्तमान में घरों का पानी पुरानी नालियों एवं सडकों पर बह रहा है एवं गड्ढों में जम रहा है। ऐसे में यहां बराबर मच्छरों को पैदावार बढाने का पुरा अवसर मिल रहा है। इसके चलते क्षेत्र में मच्छरों की भरमार की रहवासी शिकायत कर रहे हैं। इसे लेकर सफाई एवं मलबा हटाकर पुरी तरह से गड्ढों से पानी की निकासी को किया जाना आवश्यक हो गया है।

सुपथ ले जाए, वही अध्यात्म

अध्यात्म क्या है? जब साधना के माध्यम से आत्मा और परमात्मा में संबंध स्थापित करने का प्रयास किया जाता है, तो वह प्रक्रिया अध्यात्म कहलाती है। मनुष्य के भीतर एक उच्च आकांक्षा होती है, जो उसे भीतर से आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। इसी से मानसिक आवश्यकताओं और संवेगों की पूर्ति होती है। मनुष्य की जन्मजात प्रवृत्तियां, उसकी कामनाएं, वासनाएं और सामाजिक-मानसिक तत्व, ये सभी जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं। इन्हें नकारना या भूल जाना उचित नहीं है।

जिस चिंतन का आधार अध्यात्म नहीं होता, वह धीरे-धीरे जीवन की वास्तविकता से कटने लगता है। ऐसा चिंतन न केवल व्यक्ति को भ्रमित करता है, बल्कि समाज को भी गलत दिशा में ले जाता है। जब-जब व्यापक मानव समूह सेवा व समग्र कल्याण के भाव से दूर हो जाता है, तब-तब यह जगत विपथगामी मार्ग पर बढ़ने लगता है। इतिहास साक्षी है कि जब-जब मानव समाज ने आध्यात्मिक लक्ष्य व स्पष्ट जीवन-पथ को त्यागा है, तब-तब व्यापक क्षति और संकट उत्पन्न हुए हैं। इसका मूल कारण यही रहा कि लोगों के जीवन में न कोई आध्यात्मिक दिशा थी और न ही कोई उच्च उद्देश्य। याद रखिए, जब तक इस पृथ्वी पर स्वार्थप्रधान मानसिकता रहेगी, मानव को कष्ट भोगना ही पड़ेगा। नकारात्मक चिंतन से न तो व्यक्ति का कल्याण संभव है और न समाज का। ह्यआत्म-सुख तत्वह्न की तुलना में ह्यसमाज-सुख तत्वह्न अधिक महत्वपूर्ण है। आत्म-सुख तत्व का संबंध केवल व्यक्तिगत हित से है, तो समाज-सुख तत्व का संबंध सामूहिक कल्याण और सामाजिक संतुलन से है। सच्चा जीवन वही है, जिसमें व्यक्तिगत सुख समाज हित के साथ सामंजस्य बनाकर चले। यह विश्व एक अद्वितीय सत्ता द्वारा संचालित है। यह सत्ता समस्त भाव-तरंगों को नियंत्रित करती है। ईश्वर द्वारा निर्दिष्ट जीवन-पथ से कोई भी विमुख नहीं हो सकता। दर्शन, व्यवहार और साधना, सभी को इसी मूल प्रवाह के अनुरूप चलना होता है। ईश्वर को पाने के लिए आवश्यक है कि साधना के माध्यम से मन को ईश्वरमुखी बनाया जाए। मनुष्य को हमेशा यह स्मरण रखना चाहिए कि उसे यह शरीर विशेष उद्देश्य के लिए मिला है। उसका पूर्ण और श्रेष्ठ उपयोग ही जीवन की सच्ची सार्थकता है। अतीत की गलतियों को भूलकर नए संकल्प के साथ आगे बढ़ना चाहिए। बालक हों, युवा हों या वृद्ध, अध्यात्म का मार्ग सभी के लिए समान रूप से खुला है। जब मनुष्य अपने गुण, शक्ति और संसाधन समाज को समर्पित करता है, तभी उसमें सच्चा मनुष्यत्व विकसित होता है। मनुष्यत्व के पथ पर लाने के लिए आवश्यक है कि वह स्वयं को अध्यात्म के पथ पर स्थापित करे। यही उसके जीवन का परम लक्ष्य है।

सम्पादकीय

सराहनीय फैसला

ऑनलाइन कारोबार से जुड़ी एक अमानवीय व्यवस्था, यानी दस मिनट में सामान की डिलिवरी की शर्त पर रोक लगाकर केंद्र सरकार ने अत्यंत सराहनीय कदम उठाया है। इस फैसले से सेवा क्षेत्र की कंपनियों व उपभोक्ताओं, दोनों को यह संदेश मिल गया होगा कि सुविधा और शोषण के बीच फर्क होता है। जाहिर है, इस अल्प अवधि के कारण डिलिवरी पार्टनर (गिग वर्कर) पर बहुत ज्यादा दबाव था और उनकी सुरक्षा का जोखिम लगातार बना हुआ था। बीते 31 दिसंबर की रात देश भर के गिग वर्कर्स ने हड़ताल करके सरकार का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया था और श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने जिस तत्परता से संबंधित कंपनियों के अधिकारियों से बातचीत करके इस समस्या का हल निकाला है, वह अन्य विभागों के लिए भी एक नजीर पेश करता है। गौरतलब है कि ऑनलाइन क्षेत्र बड़ी संख्या में नौजवानों को रोजगार मुहैया करा रहा है। खुद नीति आयोग का यह आकलन है कि साल 2030 तक देश में गिग वर्कर की संख्या करीब दो करोड़, 35 लाख हो जाएगी। इनमें बड़ी संख्या में महिला कर्मी भी होंगी। इसलिए उनके हितों की रक्षा सरकार की जिम्मेदारी है।

निस्संदेह, मौजूदा उपभोक्तावादी दौर में समयबद्ध सेवाओं की मांग बढ़ रही है और दुनिया भर की कंपनियों में होड़ मची है कि वे बेहतर से बेहतर सेवाएं मुहैया कराकर उपभोक्ताओं को अपने साथ जोड़ें और मुनाफा कमाएं। स्थापित तथ्य है कि बाजारवादी व्यवस्था में प्रतिस्पर्द्धा का बड़ा लाभार्थी उपभोक्ता वर्ग है, मगर दुर्योग से सुविधाएं उठाते हुए लोग, खासकर भारत जैसे विकासशील देशों में यह अक्सर भूल जाते हैं कि जो कामगार उन्हें त्वरित सेवाएं मुहैया करा रहा है, वह भी इसी समाज का हिस्सा है। ऐसी अनेक खबरें साया हो चुकी हैं, जब धर्म, जाति और नस्ल के कारण किसी डिलिवरी पार्टनर को उपभोक्ता की बदसलूकी का शिकार होना पड़ा। देश में गिग वर्कर्स सबसे ज्यादा असुरक्षित रहे, क्योंकि सेवा शर्तें उनके बहुत अनुकूल नहीं रहीं। साल 2025-26 के बजट में केंद्र सरकार ने गिग वर्कर्स को सामाजिक सुरक्षा मुहैया कराने के लिए कई कदम उठाए। वित्त मंत्री ने उन्हें पहचान-पत्र देने, उनका पंजीकरण करने और उन्हें स्वास्थ्य बीमा व ऋण योजनाओं से जोड़ने का एलान किया था। अब दस मिनट की शर्त को निरस्त करने से उन्हें बड़ी राहत मिलेगी।

परंपरा की जड़ों से ऊर्जा लेकर भविष्य की ओर बढ़ता भारत

विश्व दबाव, देशीय संकल्प और एक चलता हुआ भारत

तूफानों से भागने वाले समय की धूल में खो जाते हैं, लेकिन जो तूफान को साध लेते हैं वही युग गढ़ते हैं। नरेंद्र मोदी की कार्यप्रणाली इसी साहसिक दर्शन से जन्म लेती है, जहां ऊर्जा केवल गति नहीं, बल्कि दिशा बन जाती है। वैश्विक अस्थिरता, व्यापारिक दबाव और बदलती कूटनीति के बीच उनका नेतृत्व विचलित नहीं होता। वे हालात से संचालित नहीं, बल्कि हालात को गढ़ने वाले नेता हैं। हर चुनौती उनके लिए रुकावट नहीं, संभावना का द्वार है। यही कारण है कि उनका हर निर्णय तात्कालिक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि दीर्घकालिक सोच का विस्तार प्रतीत होता है, जिसमें भारत केवल सहभागी नहीं, बल्कि नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरता दिखाई देता है।

प्रो. आर.के. जैन
(दैनिक अवन्तिका)

ट्रंप की टैरिफ धमकियों के बीच, अहमदाबाद की धरती पर जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज. के साथ हुआ संवाद साधारण औपचारिकता नहीं, बल्कि भविष्य की साझेदारी का स्पष्ट संकेत था। वैश्विक शुल्क तनाव और आर्थिक अनिश्चितताओं के दौर में भारत जर्मनी संबंधों को असीम क्षितिज देना मोदी की रणनीतिक दृष्टि को दशार्ता है। शिक्षा, रक्षा और हिंद प्रशांत क्षेत्र में सहयोग के प्रस्ताव यह बताते हैं कि भारत अब संबंधों को प्रतीकात्मक नहीं, संरचनात्मक आधार पर गढ़ रहा है। मोदी जानते हैं कि आने वाले समय में केवल मित्र नहीं, बल्कि भरोसेमंद साझेदार ही राष्ट्रों को स्थिरता और शक्ति प्रदान करेंगे।

सोमनाथ में नतमस्तक होकर आरंभ हुआ 2026 का गुजरात प्रवास मोदी की राजनीति का सार प्रस्तुत करता है। यह यात्रा बताती है कि विकास और विरासत परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि एक दूसरे के पूरक हैं। आध्यात्मिक चेतना से जुड़कर आधुनिक भारत की रचना करना उनकी विशिष्ट शैली है। अहमदाबाद मेट्रो और अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव जैसे आयोजन यह दशार्ते हैं कि प्रतीक भी नीति बन सकते हैं। परंपरा को बोझ नहीं, बल्कि शक्ति के रूप में प्रस्तुत करना मोदी की पहचान है। वे समझते हैं कि जड़ों से जुड़ा राष्ट्र ही वैश्विक मंच पर आत्मविश्वास के साथ खड़ा रह सकता है।

देश के भीतर भी मोदी की कार्यप्रणाली उतनी ही निर्णायक दिखाई देती है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में हथियार आधारित सोच से हटकर कल्याण और विकास केंद्रित नीति अपनाना एक ऐतिहासिक मोड़ है। जहां कभी भय और हिंसा का वर्चस्व था, वहां अब विद्यालय, अस्पताल और रोजगार की चर्चा हो रही है। यह बदलाव केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि मानसिक परिवर्तन भी है, भरोसे की पुनर्स्थापना है। मोदी मानते हैं कि स्थायी शांति बल से नहीं, विश्वास से आती है। विकास को समाधान बनाकर असंतोष की जड़ों पर प्रहार करना उनकी रणनीति का केंद्र है, जो दीर्घकाल में राष्ट्र को आंतरिक रूप से सुदृढ़ बनाता है।

युवा शक्ति को विकसित भारत की धुरी मानना मोदी की सोच का आधार है। वे जेन जेड की रचनात्मकता और नवाचार को केवल सराहते नहीं, बल्कि अवसर भी प्रदान करते हैं। नेतृत्व संवाद, कौशल विकास और प्रेरक अभियानों के माध्यम से युवाओं को नीति निर्माण से जोड़ा जा रहा है। विवेकानंद की चेतना को आधुनिक संदर्भ में प्रस्तुत करना यह दशार्ता है कि प्रेरणा और शासन के बीच मजबूत सेतु बनाया जा रहा है। हालांकि रोजगार, ग्रामीण असंतोष और जलवायु संकट जैसे प्रश्न गंभीर बने हुए हैं, जिनका समाधान समय और संतुलन दोनों की मांग करता है। मनरेगा में प्रस्तावित बदलाव साहसिक है, पर उसका प्रभाव ग्रामीण महिलाओं और आजीविका पर कैसे पड़ेगा, यह आने वाला समय तय करेगा।

आर्थिक और डिजिटल मोर्चे पर मोदी की गति निरंतर बनी हुई है। सुधारों की प्रक्रिया रुकी नहीं, बल्कि और अधिक सशक्त हुई है। आधारभूत संरचना, विनिर्माण प्रोत्साहन, डिजिटल सार्वजनिक प्रणाली और व्यापार सुगमता ने अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी है। वैश्विक झटकों के बावजूद विकास बनाए रखना प्रशासनिक दक्षता का प्रमाण है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था और किफायती तकनीक पर जोर युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करता है, हालांकि असमानता और रोजगार जोखिम जैसे प्रश्न अभी भी उत्तर की प्रतीक्षा कर रहे हैं। मोदी की विशेषता यही है कि वे चुनौतियों से आंख नहीं चुराते, बल्कि समाधान की ओर बढ़ते हैं।

विदेश नीति में रणनीतिक स्वायत्तता मोदी युग की स्थायी पहचान बनी हुई है। चीन के साथ संतुलन, पड़ोसी देशों के साथ पुनर्संयोजन और पाकिस्तान के प्रति सतर्क दृष्टिकोण यह दशार्ता है कि कठोरता और व्यावहारिकता साथ चलते हैं। जर्मनी के साथ समझौते और नौसैनिक सहयोग भारत की वैश्विक भूमिका को और मजबूत करते हैं। भारत अब केवल नियम मानने वाला देश नहीं, बल्कि नियम निर्माण में सहभागी बन रहा है, हालांकि घरेलू राजनीति में सामाजिक संतुलन बनाए रखना एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। विकास की गति और सामाजिक एकता के बीच संतुलन साधना इस दौर की सबसे कठिन, लेकिन सबसे आवश्यक जिम्मेदारी है।

2026 केवल एक कैलेंडर वर्ष नहीं, बल्कि नीतिगत परीक्षा का समय है। एक राष्ट्र एक चुनाव, न्यायिक सुधार और दीर्घकालिक विकास की परिकल्पना मोदी की दूरदृष्टि को दशार्ती है। हजार वर्षों की सभ्यतागत चेतना को आधुनिक शासन से जोड़ना सरल कार्य नहीं है। संसद से समाज तक संवाद बनाए रखना उनकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। यदि नीति और जनमानस के बीच दूरी बढ़ी, तो उपलब्धियां कमजोर पड़ सकती हैं, इसलिए सहभागिता को केंद्र में रखना अनिवार्य हो जाता है। मोदी यह जानते हैं कि नेतृत्व केवल निर्णय लेने से नहीं, बल्कि विश्वास बनाए रखने से टिकता है। इसलिए उनका हर कदम यह संकेत देता है कि परिवर्तन तभी स्थायी होगा जब सहभागिता बनी रहे। नरेंद्र मोदी की कार्यप्रणाली एक ऐसी प्रवाहमान धारा है जो विरोधों के बीच भी दिशा नहीं बदलती। वे संकट में अवसर और अंधड़ में संभावना खोजते हैं। भारत को रुकने की अनुमति नहीं, यही उनका मूल मंत्र है। यह समय केवल एक नेता का नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र की सामूहिक यात्रा का प्रतीक है। मार्ग कठिन है, लेकिन संकल्प स्पष्ट है। यदि आंतरिक एकता बनी रही और संवाद जीवित रहा, तो हर चुनौती सीढ़ी बन सकती है।

शिक्षित डकैत

आज के दौर में 'पढ़ा-लिखा' होना और 'सुसंस्कृत' होना दो अलग ध्रुव बन चुके हैं। रमेश बाबू का सुपुत्र 'चिन्मय' विदेश से मैनेजमेंट की डिग्री लेकर लौटा, तो पूरे मोहल्ले में चर्चा थी कि लड़का अब कुल का नाम रोशन करेगा। पर चिन्मय के लिए उसकी डिग्री ज्ञान का दीपक नहीं, बल्कि वह 'रेट कार्ड' थी जिसे वह शादी के बाजार में भुनाने को बेताब था। वह 'दहेज-लोभी शिक्षित लुटेरों' की उस प्रजाति का सिरमौर था, जिसकी नीयत किसी सड़क-छाप उचक्के से भी ओछी थी। उसने अपनी वर्षों की पढ़ाई और ऊँचे वेतन वाले पद को एक 'एसेट' (संपत्ति) की तरह पेश किया, जिसे केवल वही खरीद सकता था जो उसके पिता के बैंक बैलेंस में 'सात अंकों' का इजाफा कर सके। यहाँ 'विद्या ददाति विनयम' (विद्या विनय देती है) वाली लोकोक्ति दम तोड़ चुकी थी और 'विद्या ददाति दहेजम' का नया सरोकार जन्म ले चुका था। नैतिकता यहाँ उस फटी हुई किताब की तरह कोने में पड़ी सिसक रही थी, जिसे चिन्मय ने कभी परीक्षा पास करने के लिए पढ़ा था।

जब विवाह की बात चली, तो चिन्मय के माता-पिता ने 'परंपरा' का ऐसा नकाब ओढ़ा कि साक्षात पाखंड भी शर्मा जाए। उन्होंने वधु पक्ष के सामने अपनी मांगें ऐसे रखीं जैसे कोई डाकू बंदूक की नोक पर तिजोरी की चाबी मांगता है, बस फर्क यह था कि यहाँ 'बंदूक' की जगह 'आईआईटी' और 'आईआईएम' के सर्टिफिकेट मेज पर सजे थे। 'मुंह में राम बगल में छुरी' की तर्ज पर वे लड़की की तारीफ तो कर रहे थे, लेकिन उनकी नजरें लड़की के पिता की 'रिटायरमेंट फंड' और 'पुश्तैनी जमीन' के कागजात पर टिकी थीं। यह पतन की वह वीभत्स गहराई थी जहाँ एक पिता अपनी बेटी के लिए 'वर' नहीं, बल्कि एक 'विदेशी ब्रांड का दामाद' खरीद रहा था। समाज में चिन्मय महिला सशक्तिकरण और समानता पर लंबे-चौड़े भाषण देता था, लेकिन घर के बंद कमरों में वह अपनी होने वाली पत्नी की कीमत 'फॉर्च्यूनर' गाड़ी और 'कैश' के वजन से तौल रहा था। ज्ञान यहाँ केवल 'लूट' का एक परिष्कृत औजार बन गया था। विवाह की रात तो नैतिकता की तेरहवीं का भव्य उत्सव थी। जैसे ही फेरों का समय आया, चिन्मय की 'उच्च-शिक्षित' नैतिकता अचानक कोमा में चली गई।

पञ्चांग राशिफल

दिनांक - 15 जनवरी 2026 गुरुवार
सूर्योदय - 07:14 सूर्यास्त 17:58
माघ मास कृष्ण पक्ष
राहुकाल - 13:30 से 15:00 तक
तिथि - द्वादशी 20:17 उपरांत त्रयोदशी
नक्षत्र - ज्येष्ठा 05:48 उपरांत मूल
योग - वृद्धि 20:38 उपरांत ध्रुव
करण - तैतिल
चन्द्रमा - वृश्चिक में है। 05:48 पर धनु में प्रवेश करेगा।
मुस्लिम मास - रज्जब मास 25 तारिख

मेष- आज रुका धन मिलेगा। मन की चंचलता पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी।

वृषभ- जीवनसाथी पर आपसी मेहरबानी रहेगी। जल्दबाजी में धनहानि हो सकती है। व्यवसाय में वृद्धि होगी।

मिथुन- नौकरी में सुकून रहेगा। निवेश लाभप्रद रहेगा। कार्य बनेंगे। घर-बाहर सुख-शांति बने रहेंगे।

कर्क- घर-बाहर अशांति रहेगी। कार्य में रुकावट होगी। आय में कमी तथा नौकरी में कार्यभार रहेगा।

सिंह- बेवजह लोगों से कहासुनी हो सकती है। दुःखद समाचार मिलने से नकारात्मकता बढ़ेगी।

कन्या- व्यवसाय से संतुष्टि नहीं रहेगी। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। जल्दबाज न करें।

तुला- उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं।

वृश्चिक- भाग्य का साथ मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। प्रमाद न करें।

धनु- अज्ञात भय व चिंता रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है।

मकर- लेन-देन में सावधानी रखें। बगैर मांगे किसी को सलाह न दें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। स्वास्थ्य पर खर्च होगा।

कुंभ- व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। धनार्जन होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें।

मीन- विवाद को बढ़ावा न दें। पुराना रोग बाधा का कारण रहेगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। छोटी सी गलती से समस्या बढ़ सकती है।

-पं. पुरुषोत्तम शिवनारायण शर्मा
(भरदीवाले) 9926034545

लघु कथा

कीमत

पंकजजी की तबीयत खराब हुई तो स्थानीय अस्पताल में दिखाया स्थानीय अस्पताल के डाक्टर ने पास के शहर के अस्पताल में जाने की सलाह दी । उनके परिचित रिस्तेदारो ने मोबाइल से उनको शहर में अपने परिचित डाक्टर के यहां जाने की सलाह दी डाक्टर ने परीक्षण कर हृदय रोग होना बताया और तत्काल एक इंजेक्शन लगाने की बात बताते हुए कहा ये एक इंजेक्शन पांच हजार का है में और ये गोलियां साथ में लेते आना । परिचारक ने दवाईयां लाकर दी । तीन दिन भर्ती रख घर भेज दिया डेढ़ लाख करीबन खर्च हो गए । एक महीने बाद फिर तबीयत खराब हुई तो किसी ने अहमदाबाद जाने की सलाह दी वे अहमदाबाद गए हार्ट स्पेशलिस्ट को दिखाया।उन्होंने भर्ती करने की सलाह दी और कहा ठीक हो जाओगे, चिंता की बात नहीं । डाक्टर ने पर्ची लिखी दवाइयां लाकर दी । इलाज शुरू किया । कुछ ठीक होने पर पंकजजी ने डाक्टर से पूछा , डाक्टर साहब ये इंजेक्शन कितने का है । , डाक्टर ने का मात्र चार सौ पचास का । ' वे बोले हमारे यहां इसी इंजेक्शन के डाक्टर ने पांच हजार लिए थे। डाक्टर बोले हमारे यहां से साढ़े चार सौ में जितने चाहिए ले जाकर दे दीजिए। यह कहकर डाक्टर हंसने लगे ।

भगवती प्रसाद गेहलोत
(दैनिक अवन्तिका)

हताश मन

चुभती है शूल सी दर्द भरी सर्द रातें,
किसको कहें हम अपनी सारी बातें,
जिंदगी का वो सुकून सारा है खोया,
उदास मन भीतर ही भीतर घंटों रोया ।
तिनका-तिनका हुए सुनहरे ख़्वाब सारे,
देखे थे जो मिलकर हमने संग में तुम्हारे,
तकदीर में नहीं लिखा था अपना मिलना,
बाहर सर्द मौसम और भीतर यूँ जलना ।
सूख गई मन की ₹आनंद₹ मधुमय धारा,
जीवन ने हमें दिया पीने को जहर खारा,
जिंदगी कहती कॉटों में ही गुलाब खिलते,
बिछुड़ने वाले फिर उस तरह नहीं मिलते ।
पर संभाले किस तरह इस हताश मन को,
ये समझना ही नहीं चाहता नए जीवन को,
अकेलेपन ने रातों को किया लम्बा बहुत,
हो गई अब से जिंदगी उबाऊ और सुस्त ।

मोनिका डागा
(दैनिक अवन्तिका)

सनातन संस्कृति के संरक्षण के लिए जागरूकता की दरकार

सनातन संस्कृति के संरक्षण और राष्ट्र सुरक्षा में समाज की भूमिका मजबूत कर संकल्प लेना धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन कर जागरण के माध्यम से सशक्त बनाना आवश्यक है। संघ शताब्दी वर्ष के तहत मालवा-निमाड़ में कई स्थानों पर संकल्प अभियान का आयोजन किया जा रहा है जिसमे समरसता के भाव भी मजबूत होंगे। सनातन का अर्थ है शाश्वत या हमेशा बना रहने वाला अर्थात जिसका न आदि है न अन्त। ' जैसे भगवान शाश्वत (सनातन) हैं, ऐसे ही सनातन धर्म भी शाश्वत है। भगवान ने तो सनातन धर्म को अपना स्वरूप बताया है`इसमें वेदांत, योग, ध्यान, तप, और सृष्टि के मौलिक सिद्धांतों (जैसे वसुधैव कुटुम्बकम्) का पालन करना शामिल है।सनातन संस्कृति के संरक्षण और राष्ट्र सुरक्षा में समाज की भूमिका को सुदृढ़ करनेकी आवश्यकता है। - **संजय वर्मा'**

सर्दियों के मौसम में थकान, आलस और सुस्ती की समस्या हो तो इन चीजों को करें डाइट में शामिल

सर्दियों में दिन काफी छोटे हो जाते हैं और सूरज की रोशनी भी काफी कम हो जाती है जिस कारण हमारे शरीर का सर्केडियन रिदम बगड़ जाता है। बॉडी का सर्केडियन रिदम बिगड़ने से आप सुस्त महसूस करते हैं और आपके एनर्जी का लेवल भी काफी लो रहता है। इसी के साथ सूरज की रोशनी कम पड़ने से हमारे शरीर में विटामिन डी का लेवल कम होने लगता है। शरीर में विटामिन डी का लेवल कम होने से थकान और मूड खराब होने जैसी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

सर्दियों के मौसम में कुछ लोगों को सीजनल इफेक्टिव डिसऑर्डर नाम की समस्या का भी सामना करना पड़ता है। यह समस्या होने पर लोगों का एनर्जी लेवल और मोटिवेशन काफी कम हो जाता है। साथ ही, ठंडे मौसम में लोगों को काफी ज्यादा आलस आता है जिससे वह बाहर जाने या चलने-फिरने की बजाय घर में ही रहना पसंद करते हैं। हालांकि इस मौसम में एक हेल्दी डाइट लेकर आप इन सभी समस्याओं से बच सकते हैं। इस मौसम में कुछ चीजों का सेवन करने से आपका एनर्जी का लेवल बूस्ट होता है और मूड भी ठीक रहता है। साथ ही, इन चीजों में विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं।

तो अगर आपको भी ठंड के मौसम में थकान, सुस्ती और आलस का सामना करना पड़ता है तो इन सूपरफूड्स को जरूर अपनी डाइट में शामिल करें।

ब्लूबेरीज- एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन से भरपूर, ब्लूबेरी ब्लड फ्लो में सुधार करती है और दिमाग की फंक्शनिंग को बढ़ाती है, जिससे शरीर में ऊर्जा का स्तर बढ़ता है।

पालक- आयरन से भरपूर, पालक पूरे शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने में मदद करता है और मेटाबॉलिज्म में सुधार करता है, थकान से राहत देता है।

किनोआ- इसमें प्रोटीन की मात्रा काफी ज्यादा पाई जाती है जिससे आप पूरा दिन ऊजार्वान रहते हैं और आपको आलस और सुस्ती का सामना नहीं करना पड़ता।

चिया सीड्स- ओमेगा-3 फैटी एसिड, फाइबर और प्रोटीन से भरपूर, चिया सीड्स आपको अंदर से मजबूत बनाते हैं और शरीर में ब्लड शुगर लेवल को मेंटेन रखने में मदद करते हैं ताकि आपकी एनर्जी का लेवल लो ना हो।

सैल्मन मछली- ओमेगा-3 फैटी एसिड और विटामिन डी से भरपूर, सैल्मन दिमाग के स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है और सेरोटोनिन के स्तर को बढ़ाता है, नींद को कंट्रोल करता है।

ग्रीक योगर्ट- प्रोटीन से भरपूर, ग्रीक दही ब्लड शुगर के लेवल को स्थिर करता है, पाचन को बढ़ावा देता है और शरीर को एनर्जी देता है।

शकरकंद- इसमें फाइबर और काबोर्हाइड्रेट की मात्रा काफी ज्यादा पाई जाती है। इसे खाने से शरीर में मौजूद एनर्जी एक साथ रिलीज होने की बजाय धीरे धीरे रिलीज होती है। इससे आपका पेट भरा रहता है और आलस दूर होता है।

बादाम- बादाम मैग्नीशियम और हेल्दी फैट्स से भरपूर होते हैं। इसे खाने से शरीर में एनर्जी का लेवल बना रहता है और थकान दूर होती है।

धर्म-आस्था

कर्म और पुनर्जन्म का शाश्वत सत्य

भारतीय दर्शन की आत्मा में यदि किसी सिद्धांत ने मनुष्य के आचरण, सोच और जीवन-दृष्टि को सबसे अधिक प्रभावित किया है, तो वह है कर्म और पुनर्जन्म का सिद्धांत। यह केवल धार्मिक मान्यता नहीं, बल्कि जीवन को समझने और सुधारने की एक गहन आध्यात्मिक प्रक्रिया है। कर्म और पुनर्जन्म का संबंध हमें यह बोध कराता है कि हमारा वर्तमान अतीत की देन है और भविष्य हमारे वर्तमान आचरण की छाया।

अजयकुमार बियाणी
(दैनिक अवन्तिका)

कर्म का सिद्धांत मूलतः कारण और प्रभाव के नियम पर आधारित है। मनुष्य जो सोचता है, जो बोलता है और जो करता है, वही कर्म कहलाता है। यह कर्म केवल शारीरिक क्रियाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि विचार और भावना भी उतने ही प्रभावशाली कर्म हैं। शुभ विचार, सद्भावना और सेवा से किए गए कर्म जीवन में सुख, शांति और संतुलन लाते हैं, जबकि द्वेष, अहंकार और स्वार्थ से उत्पन्न कर्म दुख और अशांति का कारण बनते हैं। कर्म का फल तत्काल मिले या समय के साथ, यह नियम अटल है कि कोई भी कर्म निष्फल नहीं जाता।

पुनर्जन्म की अवधारणा इस कर्म-सिद्धांत को और व्यापक बनाती है। भारतीय दर्शन मानता है कि आत्मा अविनाशी है। शरीर नश्वर है, पर आत्मा न जन्म लेती है और न मरती है। जब शरीर अपना कार्य पूरा कर लेता है, तब आत्मा अपने अधूरे कर्मों के संस्कारों के साथ नया शरीर धारण करती है। यही पुनर्जन्म है। इस प्रकार एक जीवन में किए गए कर्म अगले जीवन की परिस्थितियों, सुख-दुख, सामर्थ्य और सीमाओं का निर्धारण करते हैं।

कर्म और पुनर्जन्म का संबंध एक निरंतर प्रवाह है। हम जैसा कर्म करते हैं, वैसा जीवन पाते हैं, और जैसा जीवन पाते हैं, वैसा कर्म करने की प्रवृत्ति बनाते हैं। यह चक्र तब तक चलता रहता है, जब तक मनुष्य आत्मज्ञान प्राप्त कर इस बंधन से मुक्त नहीं हो जाता। यही मोक्ष है—जन्म और मृत्यु के आवर्तन से पूर्ण मुक्ति। मोक्ष कोई बाहरी उपलब्धि नहीं, बल्कि भीतर जागृत होने वाली अवस्था है, जिसमें अहंकार, आसक्ति और वासनाओं का क्षय हो जाता है।

आध्यात्मिक दृष्टि से यह सिद्धांत मनुष्य को जिम्मेदार बनाता है। यह हमें यह सोचने से रोकता है कि हमारा दुख किसी और की देन है। कर्म का सिद्धांत स्पष्ट करता है कि हम अपने भाग्य के निमार्ता स्वयं हैं। यह दृष्टि न तो निराशा को जन्म देती है और न ही पलायन को, बल्कि आत्मचिंतन और सुधार की प्रेरणा देती है। यदि वर्तमान कठिन है, तो यह पूर्व कर्मों का परिणाम हो सकता है, और यदि भविष्य उज्ज्वल बनाना है, तो वर्तमान में कर्म को शुद्ध करना होगा।

धर्म इसी शुद्ध कर्म की राह दिखाता है। धर्म का अर्थ केवल कर्मकांड या परंपरा नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा में ले जाने वाला आचरण है। धर्म हमें सत्य, करुणा, संयम और सेवा का मार्ग सिखाता है। वह यह समझाता है कि स्वार्थ से ऊपर उठकर किया गया कर्म ही वास्तव में पुण्य है। धर्म कर्म और पुनर्जन्म के सिद्धांतों को व्यवहार में उतारने का साधन है। भगवद्गीता में कर्म का यह दर्शन अत्यंत स्पष्ट रूप से प्रकट होता है। भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन को उपदेश देते हैं कि मनुष्य को अपने कर्तव्य का पालन निष्काम भाव से करना चाहिए। फल की आसक्ति कर्म को बांधन बनाती है, जबकि कर्तव्यबोध कर्म को साधना बना देता है। जब कर्म अहंकार और अपेक्षा से मुक्त हो जाता है, तब वही कर्म मुक्ति का मार्ग बन जाता है।

आज के भौतिक और तेज गति वाले जीवन में कर्म और पुनर्जन्म का यह दर्शन और भी प्रासंगिक हो जाता है। यह हमें सिखाता है कि सफलता केवल बाहरी उपलब्धि नहीं, बल्कि आंतरिक संतुलन भी है। यह हमें धैर्य देता है, करुणा सिखाता है और यह विश्वास जगाता है कि हर स्थिति परिवर्तनशील है।

अंततः कर्म और पुनर्जन्म का सिद्धांत हमें यह स्मरण कराता है कि जीवन संयोग नहीं, साधना है। जो प्राप्त है, वही पर्याप्त है—यदि मन संतुलित है। और जिसका मन संतुलित है, उसके पास समस्त है। यही भारतीय आध्यात्मिक चेतना का सार है।

इन्दौर मंडी भाव

चना कांटा 5750 डंकी, चना 4800 से 5000 विशाल, 8100 गेहूं मिल क्वालिटी 2650 से ,5500 से 5550 मसूर 6000, 2675 लोकवन 2850 से 2900, महाराष्ट्र सफेद 6500 से 6600, पूर्णा 2800 से 2850 मालवराज, , महाराष्ट्र लाल 6600 से 6800, 2750 से 2775 मक्का 1550, कर्नाटक 6700 से 6900 तुअर, से 1600 चना दाल 7300 से निमारी 6200 से 6600 मूंग बेस्ट 7400 मीडियम 7500 से 7600 गर्मी 7800 से 8200 मूंग बेस्ट बेस्ट 7800 से 8000 तुअर दाल 7100 से 7200 मीडियम बोल्ड 8100 से 8300 एवरेज 8300 से 8400 बेस्ट 9100 से 6500 से 6700 मोगर 5500 9200 एक्स्ट्रा बेस्ट 10000 से से 6500 उड़द बोल्ड 7000 से 10100 ब्रांडेड 10700 मूंग दाल 7200 एवरेज 6200 से 6500 9100 से 9200 बेस्ट 9600 हल्का उड़द 3000 से 5000 से 9800 मूंग मोगर 9600 से काबुली डॉलर 8000 से 8500 9700 बेस्ट 1000 से 10200 काबुली रशियन 5500 से 5700 बिटकी 5100 से 5300 सरसों उड़द दाल 8600 से 8800 बेस्ट (मीडियम) 8000 से 8200 9000 से 9200 उड़द मोगर निमाड़ी 8400 से 8500 रायड़ा 9800 से 1000 बेस्ट 10100 6200 से 6400 सोयाबीन 4300 से 10200 मसूर दाल 7450 से से 4500 अलसी 8200 से 8500 7550 बेस्ट 7650 से 7750 रुपए तिल्ली 8000 से 9000 टोली 4000 से 4200 तिल्ली 8000 से पति क्विंटल।

आलू, प्याज, लहसून भाव

आलू ज्योति नया 1300 से 1500 आलू चिप्स 1500 से 1900 ज्योति पुराना 1000 से 1500 राशन आलू 900 से 1100 गुल्ला 300 से 700, प्याज महाराष्ट्र 1600 से 1900 प्याज लोकल 1000 से 1400 एवरेज 500 से 700 गोल्टा 600 से 800 गोल्टी 300 से 500 , लहसुन सुपर बोल्ड 7000 से 7500 मीडियम 4000 से 5000 बारीक 3000 से 4500 रुपए प्रति क्विंटल

उज्जैन भाव

लोकवन गेहूँ- 2000-2960 चना काबली- 2800-8560, चना बड़ा- 5341-6029, बटला- 1500-3840 बटला- 1500-3840, मसूर- 5601, तिल्ली- 5681-8711, सोयाबीन- 1800-6161, मैथीदाना- 4064-4541, मावा- 280 प्रतिकिलो। सोना-चाँदी- सोना- स्टेण्र्ड- 1,43,600, रवा- 1,43,500 चांदी- टंच- 2,56,00 पाट- 2,55,800।

उज्जैन किराना

अशोक कुमार भगवानदास

152 फवारा चौक उज्जैन

किराना रेट प्रति किलो, चावल बासमती छड़ी 75 से 180, चावल तिबार 68 से 120, चावल पोनिया 55 से 85, चावल की टुकडी 36 से 65, चावल सेला 36.5 से 38, राइस परमेल 35 से 44, तूवर दाल निमाड़ी 130,तूवर दाल महाराष्ट्र 104 से 113, तूवर दाल अन्य 85 से 120, मूंग दाल 85 से 110, मुंग मोगर 95 से 120,उड़द मोगर 110 से 120, उड़द दाल 95 से 100, चना दाल 71 से 80।

आमंत्रण

आप भी अपने व्यंग्य, रचनाएं, लेख, प्रतिक्रिया, मालवी भाषा में पठनीय सामग्री आदि ई-मेल कर सकते है।

editor.awantika@gmail.com

विश्व प्रेम मंदिर ट्रस्ट पर 11वां रक्तदान शिविर आयोजित

ब्यावरा । ब्यावरा शहर के ओल्ड ए बी रोड पर स्थित प्राचीन श्री विश्व प्रेम मंदिर ट्रस्ट पर स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य में 11वां रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इस वर्ष 34 रक्तवीरों के द्वारा रक्तदान किया गया। इनमें दो महिलाएं व 32 पुरुष शामिल हैं, वर्ष 2016 से श्री विश्व प्रेम मंदिर पर निरंतर रक्तदान शिविर का आयोजन राजगढ़ जिला चिकित्सालय के सहयोग से किया जाता है। श्री विश्व प्रेम मंदिर ट्रस्ट नगर ब्यावरा की एक आध्यात्मिक संस्था है, जहां प्रतिदिन प्रातः एवं सायं वैदिक प्रार्थना विश्व शांति एवं कल्याण की भावना से की जाती है, यह एक धर्म समभाव की संस्था है। यहां समय-समय पर स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित किए जाते हैं। युवा दिवस को संस्था द्वारा स्वामी विवेकानंदजी के उद्देश्यों को लेकर उद्धबोधन कार्यक्रम आयोजित किया गया इसमें प्रोफेसर प्रमोद कुमार खरे ने अपने विचार रखते हुए कहा कि आध्यात्मिक चेतना द्वारा ही हम अपने जीवन को सार्थक बना सकते हैं। प्रारंभ से ही हमारी माताऐं यदि बालक रूपी बीज को उचित पानी खाद से सींचकर स्वामी विवेकानंदजी की तरह बना सकती हैं। उद्बोधन के दूसरे वक्ता पंडित अरुण भार्गव ने स्वामी विवेकानंद जी के शिक्षाओं के बारे में अपने विचार रखते हुए कहा कि आज की माताओं में तेज होना चाहिए ताकि तेजवान पुत्र का जन्म हो हमारे मन में हीन विचार नहीं आने चाहिए हमें संयम एवं अनुशासन का पालन करना चाहिए इंद्रियों और कर्मेंद्रिय पर हमारा नियंत्रण होना चाहिए तब ही हम एक ऊजार्वान युवा बन सकते हैं। कार्यक्रम में बडी संख्या में महिलाएं एवं प्रबुद्ध नागरिक सम्मिलित हुए।

न्यू सहारा स्कूल में युवा दिवस पर किया सामूहिक सूर्य नमस्कार

कानड़। राष्ट्रीय युवा दिवस स्वामी विवेकानंद की जन्म जयंती पर नगर के न्यू सहारा पब्लिक स्कूल में युवा दिवस के अवसर पर सामूहिक सूर्य नमस्कार अमित पाठक के मार्गदर्शन में किया गया इससे पूर्व प्राचार्य विजय कुमार पाठक , सचिन शर्मा ने स्वामी विवेकानंद व मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर सूर्य नमस्कार कार्यक्रम की शुरूआत की गई । इस अवसर पर प्राचार्य विजय कुमार पाठक द्वारा स्वामी विवेकानंद के जीवन पर प्रकाश डाला और का स्वामी विवेकानंद का नारा उठो जागो , तब मत रूको जब तक लक्ष्य को प्राप्त ना करलो ओर उन्हें आदर्श पर चलने की बात कही इस अवसर पर अरविंद राठोर , रोहित संगोई व बड़ी संख्या में छात्र , छात्राएं उपस्थित थे।

चंदन चोर के विरुद्ध कार्यवाही 4 लाख 6 हजार रु का चंदन एवं वाहन बरामद

ब्यावरा। राजगढ़ जिले में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने हेतु अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस नरसिंहगढ़ सुश्री मिनी शुक्ला के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बोडा उप निरीक्षक देवेन्द्र सिंह राजपूत के नेतृत्व में बोडा पुलिस द्वारा चंदन चोरी के फरार आरोपी के विरुद्ध कार्यवाही की गई। मुखबिर से सूचना मिली कि कन्हैया पिता रणधीर सांसी ग्राम गुलखेड़ी अपने घर में चोरी किए गए चंदन के पेड़ की लकड़ी को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर रखे हुए है तथा बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल पर कट्टे में भरकर बेचने के उद्देश्य से ले जाने की फिराक में है। तत्काल पुलिस टीम मौके पर पहुंची। मुखबिर द्वारा बताए गए आरोपी पुलिस को देखकर मोटरसाइकिल एवं कट्टी छोड़कर झाड़ियों का लाभ उठाते हुए फरार हो गया। पुलिस ने आरोपी के घर के आंगन से बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल एवं कट्टी को खोलकर चेक किया जिसमें चंदन की लकड़ी के टुकड़े पाए गए। तौल करने पर कुल 30 किलो 600 ग्राम गीली, छीली हुई चंदन लकड़ी पाई गई, जिसकी अनुमानित कीमत 3,06,000/- रु आंकी गई। इसके अतिरिक्त मोटरसाइकिल की कीमत 1,00,000/- रु होना पाई गई। इस प्रकार कुल माल 4,06,000/- रु का पाया गया। उक्त माल को पंचनामा बनाकर जप्त किया तथा आरोपी कन्हैया पिता रणधीर सांसी ग्राम गुलखेड़ी के विरुद्ध प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

दो वर्ष से फरार वारंटी को गिरफ्तार किया

ब्यावरा। राजगढ़ जिले में फरार आरोपियों, स्थायी एवं गिरफ्तारी वारंटियों की धरपकड़ हेतु अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस नरसिंहगढ़ सुश्री मिनी शुक्ला के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बोडा उप निरीक्षक देवेन्द्र राजपूत द्वारा प्रभावी कार्यवाही की गई। बोडा पुलिस द्वारा ग्राम कडियासासी निवासी विकास पिता गजराज सिंह 24 वर्ष, जो कि विगत दो वर्ष से फरार स्थायी वारंटी था, को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के विरुद्ध पुलिस थाना ब्यावरा जीआरपी में अपराध प्रकरण पंजीबद्ध है। आरोपी की गिरफ्तारी हेतु न्यायालय द्वारा स्थायी वारंट जारी किया गया था। बोडा पुलिस द्वारा ग्राम कडियासासी में आरोपी के निवास स्थान पर दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार किया गया एवं कार्यवाही उपरांत पुलिस थाना जीआरपी ब्यावरा के सुपुर्द किया गया।

न्यायालय अपर आयुक्त, उज्जैन संभाग, उज्जैन

क्रमांक-क्यू./रीडर/अ.आ./02 उज्जैन, दिनांक 13-1-26
प्रकरण क्रमांक. 933/अ/22-23

जगदीश पिता अम्बाराम
निवासी बेहरी तह-बागली जिला देवास
- प्रत्यार्थी/प्रतिप्रार्थी
विरुद्ध
राहुल पिता बालाराम बनारसी
निवासी बिचौली मर्दाना इन्दौर
- अपीलार्थी / प्रार्थी

सूचना-पत्र (नोटिस)

राहुल पिता बालाराम बनारसी निवासी बिचौली मर्दाना, इन्दौर उक्त संबंधित व्यक्ति को सूचना दी जाती है कि उल्लेखित प्रकरण न्यायालय के समक्ष दिनांक 29/01/2026 को समय 11.00 बजे कोठी पैलेस, उज्जैन स्थित न्यायालय में पेश किया जावेगा। अतः आप उपरोक्त दिनांक को स्वयं अथवा अभिभाषक द्वारा और मय संबंधित सभी प्रपत्रों के उपस्थित रहें। अगर आप नियत पेशी पर उपस्थित नहीं हुए तो अनुपस्थिति की दशा में प्रकरण में एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी।

रीडर
अपर आयुक्त
उज्जैन संभाग, उज्जैन

I DEPESH S/O VIJAY KUMAR

R/O 5 ADITYA NAGAR NEAR SHASTRI NAGAR.
HAS BEEN CHANGE MY NAME AS DEEPESH NAINANI.
I WILL BE KNOWN BY NEW NAME DEEPESH NAINANI.

अंतर्राज्यीय ट्रक धोखाधडी गिरोह पर पुलिस ने कसा शिकंजा

लाखों की हाइड्रा क्रेन, वाहनों के पार्ट्स सहित 10 लाख रुपये नकदी जप्त किए

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सारंगपुर

सारंगपुर एसडीओपी अरविंद सिंह के नेतृत्व में अनुविभाग के अंतर्गत आने वाले लीमाचौहान और तलेन पुलिस ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए एक बड़े अंतर्राज्यीय ट्रक धोखाधडी गिरोह को पकड़कर बड़ी धोखाधड़ी का भांडाफोड किया है। पुलिस को पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी के निर्देशन में बड़ी सफलता हासिल हुई है। थाना प्रभारी लीमाचौहान राहुल रघुवंशी ने मामले में जानकारी देते हुए बताया कि लीमाचौहान थाने में फरियादी बीरम सिंह पिता भागीरथ वर्मा से आईसर गाडी को किश्तों में भुगतान के आश्वासन पर लेकर आरोपितों द्वारा न तो बैंक किश्तें जमा की गईं और न ही ट्रक वापस किया गया की शिकायत की थी जिसके बाद पुलिस ने इस अपराध क्रमांक 336/25, धारा 316(2), 318(4) बीएनएस पंजीबद्ध किया गया। जबकि थाना तलेन में फरियादी भगवान सिंह पिता दुर्गाप्रसाद से ट्रक आरोपितों द्वारा पूजा के बहाने ले जाकर दस्तावेज तैयार किए बिना तथा

किश्तें जमा किए बिना बेईमानी से हडप लिया जाने की शिकात की और पुलिस ने अपराध क्रमांक 230/25, धारा 316(2), 318(4) बीएनएस दर्ज किया गया। इस मामले में प्रेसवार्ता के दौरान एसपी अमित तोलानी ने बताया कि सभी आरोपित आपसी सांठगांठ से ट्रक मालिकों को कम नगद राशि में सौदा तय कर किश्तों के भुगतान का झांसा देते थे तथा वाहनों को महाराष्ट्र ले जाकर काटकर कबाड में बेच देते थे। उन्होंने बताया कि प्रकरण में संलिप्त आरोपित में यासीन मुल्तानी पिता मासूम मुल्तानी, निवासी जलगांव (महाराष्ट्र), नईम खान उर्फ नईम चायना पिता खाजू खान, निवासी हाल मुकाम मुसाखेडी इंदौर स्थाई निवास छापीहेडा, मनोज वैष्णव पिता यसवंत वैष्णव निवासी शाजापुर, याकुब खान, निवासी, अकरम खान तथा रेहान खान सभी निवासी जलगांव (महाराष्ट्र) को गिरफ्तार/प्रोडक्शन वारंट/पीआर पर प्राप्त कर पूछताछ की गई। इससे 10.60 लाख से अधिक नगद राशि, हाइड्रा क्रेन मशीन, ट्रक के कटे हुए पार्ट्स एवं डाला जप्त किया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपित नईम उर्फ चाइना पहले से की थाना सरबन, थाना घट्टिया, थाना लीमाचौहान थाना तलेन, थाना भवरकुआ, थाना खजराना में कई आपराधिक मामले दर्ज है। जबकि यासीन पर जलगांव में दर्जन भर से ज्यादा प्रकरण पंजीबद्ध है। इस कार्रवाई में एसडीओपी अरविंद सिंह के नेतृत्व में लीमाचौहान थाना प्रभारी उप निरीक्षक राहुल रघुवंशी, थाना प्रभारी तलेन उप निरीक्षक राकेश दामले, उप निरीक्षक शिवराज मीणा, सायबर प्रभारी जितेन्द्र अजनारे, सउनि प्रदीप शर्मा, सउनि कैलाश यादव सहित अन्य पुलिसकर्मी एवं सायबर सेल राजगढ का सराहनीय योगदान रहा।

बोले जिम्मेदार

हमारी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम देकर अंतर्राज्यीय ट्रक धोखाधडी गिरोह को पकड़ने में सफलता हासिल की है। मामले में छ आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। यासीन मुल्तानी और नईम खान उर्फ नईम चायना पर पूर्व से अनेको थानो में कई प्रकरण पंजीबद्ध है। नियमानुसार आगामी कार्रवाई की जा रही है।

अमित तोलानी, पुलिस अधीक्षक

राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में

कौटिल्य एजुकेशनल एकेडमी में क्रीड़ा उत्सव हर्षोल्लास से मनाया

दैनिक अवन्तिका ▸▸ मक्सी

कौटिल्य एजुकेशनल एकेडमी, मक्सी में क्रीड़ा उत्सव एवं राष्ट्रीय युवा दिवस बड़े ही उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उदेश्य विद्यार्थियों में शारीरिक सुदृढ़ता, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता तथा युवा शक्ति के महत्व को उजागर करना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा दौड़, रिले रेस, लंबी कूद, खो-खो, कबड्डी, वॉली बाल एवम विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक खेल प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर भाग लिया गया। खेल मैदान विद्यार्थियों के उत्साह और जयकारों से गूंज उठा।

राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर स्वामी विवेकानंद जी के विचारों पर आधारित विशेष सभा का

आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने सूर्यनमस्कार किया एवं विद्यार्थियों ने उनके जीवन एवं आदर्शों पर प्रेरणादायी भाषण प्रस्तुत किए और युवाओं को आत्मविश्वास, चरित्र निर्माण एवं राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित किया।

अपने उद्बोधन में विद्यालय के चेयरमैन मिथलेश यादव ने कहा कि खेलकूद से न केवल शरीर स्वस्थ रहता है बल्कि मानसिक विकास भी होता है। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वामी विवेकानंद जी के आदर्शों को अपनाकर जीवन में आगे बढ़ने का आह्वान किया। विद्यालय कि प्रबंधिका सुश्री आशा बरुआ, प्राचार्य जे डी फेर्नान्डिस एवं शिक्षकों ने विद्यार्थियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए तथा धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्त्रोत सिद्ध हुआ।

7 गट्ठे प्रतिबंधित चाइनीज मांझा जब्त, एक गिरफ्तार

देवास। मकर संक्रांति पर्व पर प्रतिबंधित चाइनीज मांझे के खिलाफ पुलिस ने सख्त कार्रवाई की है। कोतवाली पुलिस ने बालाजी नगर क्षेत्र से एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से सात गट्ठे चाइनीज मांझा जब्त किया है। चाइनीज मांझा लोगों के लिए लगातार खतरा बनता जा रहा है। हाल ही में देवास में एक बुजुर्ग व्यक्ति इसकी चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उनके पैर में गहरा घाव हुआ था और हाथ भी बुरी तरह जख्मी हो गया, जिसके बाद उन्हें इंदौर रेफर करना पड़ा था। इन घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद ने मकर संक्रांति को देखते हुए प्रतिबंधित मांझे के उपयोग, भंडारण और बिक्री पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

मुखबिर की सूचना पर दबिश

इन्हीं निदेशों के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) जयवीर सिंह भदौरिया के मार्गदर्शन और नगर पुलिस अधीक्षक सुमित अग्रवाल के निर्देशन में थाना प्रभारी श्यामचंद्र शर्मा के नेतृत्व में 13 को कार्रवाई की गई। मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने बालाजी नगर में दबिश दी। पुलिस ने पीयूष पिता कुंदन राव मराठा (21), निवासी बालाजी नगर को गिरफ्तार कर उसके पास से प्रतिबंधित चाइनीज मांझे के सात गट्ठे बरामद किए। आरोपी के खिलाफ थाना कोतवाली में अपराध मामला दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

क्वाइल से भरा ट्रक पलटा ड्राइवर घायल

देवास। देवास के औद्योगिक क्षेत्र में क्वाइल लेकर जा रहा एक ट्रक पलट गया। इस हादसे में ट्रक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे उपचार के लिए एमजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, ट्रक पीथमपुर से क्वाइल लेकर देवास के औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक निजी कंपनी में माल सप्लाई करने आ रहा था। औद्योगिक क्षेत्र में प्रवेश करते ही वाहन का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क पर पलट गया। घायल चालक की पहचान इंदर सिंह (60 वर्ष) पुत्र नरसिंह के रूप में हुई है, जो घाटा बिल्लौद, चंदन नगर का निवासी है। दुर्घटना के बाद उन्हें गंभीर चोटें आईं। डॉक्टरों के अनुसार, फिलहाल उनकी हालत स्थिर बनी हुई है। हादसे की सूचना मिलते ही आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल डायल 108 एंबुलेंस को बुलाया। एंबुलेंस की मदद से घायल चालक को जिला चिकित्सालय एमजी अस्पताल देवास पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

डेलनपुर बालाजी सरकार मंदिर परिसर में राम मंदिर निर्माण कार्य का भूमिपूजन सम्पन्न

अवन्तिका ▸▸ महिदपुर रोड

मकर संक्रांति के शुभ मुहूर्त में डेलनपुर बालाजी सरकार मंदिर परिसर में श्री राम मंदिर निर्माण कार्य का भूमि पूजन शुभ मुहूर्त में बालाजी धाम सरकार परिसर में विराजित संत मधु सूदनदास जी त्यागी व अन्य संतों की उपस्थिति में मंदिर निर्माण संचा लन ट्रस्ट समिति के अध्यक्ष युवराज सिंह राणावत भागीरथ पाटीदार बद्रीलाल माली कांतिलाल टेलर रमेश राठौर ईश्वरलाल पाटीदार राजेंद्र दास बैरागी पंडित भगवती लाल शर्मा व अन्य पदाधिकारी समिति सदस्यों की उपस्थिति में संपन्न हुआ संचालन समिति के अध्यक्ष राणावत ने बताया बालाजी सरकार परिसर में श्री राम मंदिर के निर्माण कार्य भी प्रस्तावित है जिसका कार्य बालाजी मंदिर निर्माण के साथ चलेगा।

हर्षो उल्लास के साथ विराट हिंदू सम्मेलन संपन्न

हजारों की संख्या में सम्मिलित हुए समाजजन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ बड़नगर

चंद्रशेखर आजाद बस्ती के कार्यकताओं द्वारा हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस आयोजन में बस्ती में निवासरत सभी समाज जनों ने हिंदू होने के नाते सम्मेलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। बड़ी संख्या में मातृशक्ति, युवा, बालक, बालिकाओं एवं वरिष्ठजनों ने हिस्सा लिया।

हिंदू सम्मेलन के इस आयोजन में कुलदीप सोनी एवं मित्र मंडली द्वारा भजन संध्या एवं हनुमान चालीसा का पाठ कर कार्यक्रम प्रारंभ किया। इसके तत्पश्चात मंचिय कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। मंच पर जैन साध्वी तत्वलता श्रीजी, साध्वी कुसुमलता श्रीजी, उदासीन अखाड़े के संत महंत सरस्वतीदास

महाराज, बाबा रामदेव मंदिर से संत ओमप्रकाश बैरागी, गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा से ज्ञानीजी चिमनदीप सिंह, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला कार्यवाह पन्नालाल बंबोरिया एवं इस कार्यक्रम के संयोजक सुशील श्रीमाल उपस्थित थे। जैन साध्वी ने सभा को संबोधित कर भगवान राम के जीवन के ऊपर प्रकाश डालते हुए हिंदू समाज की एकता और अखंडता को बनाए रखने के लिए समाजजन से आग्रह किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पन्नालाल बंबोरिया ने कहा कि जात-पात में बटे हुए हिंदू समाज को एक होने की अति आवश्यकता है। संगठित समाज से ही राष्ट्र की उन्नति संभव है। ढोलक और हारमोनियम की धुन के साथ सभी ने बड़े हर्ष उल्लास के साथ भारत माता की आरती उतारी।

इस दौरान पुष्प पंखुड़ियों से स्वागत भी किया गया। कार्यक्रम में रंगोली की साज सज्जा, बलून का डेकोरेशन सभी का ध्यान आकर्षित कर रहा था। कार्यक्रम का संचालन मनीष जैन ने किया, स्वागत भाषण कार्यक्रम के संयोजक सुशील श्रीश्रीमाल ने दिया अतिथियों का परिचय आदित्य यादव ने कराया। अंत में आभार पियूष उपाध्याय ने माना। इसके तत्पश्चात सभी उपस्थित जनों का सहभोज भी हजारों की संख्या में संपन्न हुआ। जानकारी हिंदू सम्मेलन समिति के प्रचार प्रमुख विदित यादव ने दी।

उच्चतार माध्यमिक विद्यालय मक्सी में मनाया योग दिवस

मक्सी। 12 जनवरी 2026 को उच्चतार माध्यमिक स्कूल मक्सी में योग दिवस मनाया गया माँ सरस्वती और विवेकानंद की तस्वीर पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरूआत की। रामप्रसाद पाटीदार ने योग का महत्व समझाया अभिनेता अजय गुप्ता ने कहा योग का अविष्कार ऋषि मुनिओ ने करा अपनी योग विद्या से हजारों साल सवस्थ होकर ते थे हमारे प्रधानमंत्री मोदी ने योग को जन जन तक पहुंचाया पुरे विश्व मे योग दिवस मनाया जाता हैं प्राचार्य प्रिंसिपल देथलिया ने कहा अब मेरा कार्यकाल पूरा होने वाला हैं मैने जन सहयोग से स्कूल का निर्माण सतत करवाता रहा खेल को नयी दिशा दे कर छात्रों का मार्गदर्शन करा शिक्षक दशरथ लोधी ने योग करवाया सभी को शिक्षाप्रद जानकारी दी। राठौर ने संचालन किया मिश्रा ने जोशीला मार्गदर्शन किया दयाराम मंडलोई कृष्णा भावसार राकेश चौहान भावसार राहुल वर्मा शिक्षक गण इन्दर परमार विमल गुप्ता अरविन्द असोडिया अंसल आदि ने कार्यक्रम मे हिस्सा लिया। सर्वप्रथम वन्देमातरम गीत गया गया फिर प्राड़ायाम किया गया वियोम विलोम किया गया सूर्य नमस्कार किया गया।

संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर 12 जनवरी को शिव मंदिर से प्रभात फेरी निकाली

मक्सी। रास्ट्रीय सवं सेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने पर पुरे देश भर मे उत्सव मनाया जा रहा इसमें प्रभात फेरी संध्या फेरी अखंड हिन्द समाज का सामूहिक भोज चल रहा हैं मक्सी मे भी नित्य प्रभात फेरिया निकाली जा रही हैं एक खंड की प्रभात फेरी 12 जनवरी 2025 को बस स्टेण्ड के शिव मंदिर से निकाली जो स्टेशन रोड झोकर रोड रेलवे स्टेशन से ए बी रोड होते हुवे। वर्क शॉप हनुमान मंदिर से बस स्टेण्ड शिव मंदिर मे आरती से समापन हुवा आज केशरिया दूध से स्वागत राजेश गुप्ता पूर्व पार्षद अजय गुप्ता अभिनेता ने किया। अशोक चौधरी ने गजक मिठाई सेव का नाश्ता चाय से स्वागत किया वर्क शाप हनुमान मंदिर मे जोशी परिवार ने जलेबी पोहा चाय से स्वागत किया। भजन मंडली के भजन चलते रहे प्रभात फेरी मे राधेश्याम पाटीदार ओम चौधरी पार्षद कृष्णा भावसार राकेश पाटीदार जुगल भावसार नरेन्द्र भावसार मनोहर लश्कन सतीश वर्मा आदि भजन गाते चल रहे थे।

भाजपा कार्यकर्ताओं का सम्मान समारोह आयोजित

सुसनेर। भारतीय राजनीति के शिखर पुरुष, भारत रत्न से सम्मानित पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी के अवसर पर सुसनेर में भाजपा कार्यकताओं का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पार्टी के समर्पित एवं वरिष्ठ कार्यकताओं को सम्मानित कर उनके योगदान को याद किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक बद्रीलाल सोनी, पूर्व मंडल अध्यक्ष मांगीलाल सोनी, वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता डॉ. धीरेंद्र पांडेय सहित अन्य कार्यकताओं का सम्मान किया गया। सम्मान समिति के प्रदेश अध्यक्ष धीरज परेटिया द्वारा सभी अतिथियों एवं कार्यकताओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष डॉ. सौरभ जैन, सांसद प्रतिनिधि मुकेश हरदेनिया,पार्षद युगल परमार, पार्षद प्रतिनिधि राजेंद्र यादव (बड़ागांव), लखन यादव, दीपक जैन, लखन सेन, कमल यादव, रामचंद्र (सरपंच), देवीसिंह (पूर्व सरपंच), सुल्तान सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी का जीवन राष्ट्र सेवा, सुशासन और लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रतीक रहा है। उनके विचार आज भी भाजपा कार्यकताओं के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य संगठन को मजबूत करना एवं कार्यकताओं के मनोबल को बढ़ाना रहा।

संकल्प से समाधान अभियान- नगर परिषद दल द्वारा वार्डो में पहुंचकर किया जा रहा हितग्राहियों का सर्वे

सुसनेर। मंगलवार को शासन के निर्देशानुसार संकल्प से समाधान अभियान अंतर्गत, नगर परिषद सुसनेर मुख्य नगर पालिका अधिकारी अरूण कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में गठीत नगर परिषद कर्मचारियों के सर्वे दल द्वारा नागरिकों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित करने हेतु डोर टू डोर सर्वे कार्य किया जा रहा है। संकल्प से समाधान अभियान अभियान के प्रथम चरण में इन दलों द्वारा हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करने हेतु डोर टू डोर सर्वे कार्य किया जाना है। वहीं दुसरे चरण में प्राप्त आवेदनों का क्लस्टर स्तर पर शिविर आयोजित आवेदन का निराकरण किया जाएगा। सर्वे के दौरान नोडल अधिकारी शहजादी खान , नरेश कुमार सिंह, राकेश सोनी,सामुदायिक संगठक जगदीश परमार, अक्षय गुहाटिया, मुकेश माली सहित नगर परिषद के कर्मचारीगण आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सहायिका आदि उपस्थित रहे।

पाडल्यामाता में विशाल हिंदू सम्मेलन का आयोजन

सारंगपुर। पाडल्यामाता के दशहरा मैदान में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष एवं राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में विशाल हिन्दू सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बडी संख्या में हिंदू समाज के लोग, कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता साध्वी सरस्वती दीदी ने प्रेरणादायक आशीर्वचन देकर हिन्दूओ से अपील करके कहा कि आज स्वामी विवेकानंदजी एवं जीजा बाई की जन्म जयंती है। प्रत्येक सनातनी मां जीजा बाई बने तभी घर घर में छत्रपति शिवाजी महाराज आयेंगे। आज जिस तरह वीर शिवाजी संगठन की बहनों द्वारा दंड से शौर्य प्रदर्शन किया उसी तरह प्रत्येक मां अपनी बेटियों को अपनी रक्षा के लिए शक्तिशाली, संस्कारी बनाए ताकि कोई विधर्मी उनका शिकार न कर सके। कार्यक्रम के विशेष अतिथि संघ अधिकारी लखन ने हिंदू एकता पर बल देते हुए कहा कि आज का युवा नशे की लत में इतना आगे निकल गए है कि वह धार्मिक, सामाजिक कार्य से दूर होते चले जा रहे है, अपने बच्चों को संघ की शाखा में भेजे उन्हें संस्कारवान बनाए। अगर हिंदू समाज को पतन से बचना है तो सामाजिक समरसता की भावना के साथ प्रत्येक सनातनी को संगठित होने का भाव रखना होगा।

राष्ट्रीय युवा दिवस सप्ताह के अंतर्गत विधिक साक्षरता शिविर आयोजित

खाचरोद। माननीय प्रधान जिला न्यायाधीश पीसी गुप्ता के आदेशानुसार तथा प्रथम जिला न्यायाधीश नीतू कांता वर्मा के मार्गदर्शन में तहसील विधिक सेवा समिति खाचरोद द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस सप्ताह के अंतर्गत 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस पर नवोदय विद्यालय बुरानाबाद खाचरोद में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। प्रथम जिला न्यायाधीश नीतूकांता वर्मा एवं अपर लोक अभियोजक रजनीश उपाध्याय द्वारा युवाओं तथा बच्चों को स्वामी विवेकानंद के बारे में गहन जानकारी प्रदान की गई तथा उनके आदर्शों पर चलकर देशहित तथा समाज के विकास के लिए कार्य करके अपना तथा देश का नाम रोशन करने हेतु प्रेरित किया गया। साथ ही 14 नवंबर 2025 में न्योत्सव विधिक सेवा सप्ताह के अंतर्गत आयोजित निबंध तथा चित्रकला प्रतियोगिता में वरिष्ठ तथा कनिष्ठ खंड में से प्रथम, द्वितीया एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले 12 बच्चों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण से प्राप्त प्रमाण पत्र तथा पुरस्कार वितरित किए गए।

एक्ट्रेस सोनिया श्रीवास्तव का कायस्थ बंधु समिति द्वारा किया गया चित्रगुप्त सम्मान

ब्यावरा-राजगढ़। कायस्थ समाज मे विगत लम्बे समय से प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। सम्मान कार्यक्रम समाज के ऐसी प्रतिभाओ को लेकर किये जा रहे है जिन्होने कला जगत ,साहित्यिक लेखन, गायन, समाज सेवा, पत्रकारिता के अलावा शिक्षण कार्यो, दसवी, बारहवी मे बिना किसी सुख सुविधाओ के मुकाम हासिल किया हो। कायस्थ बंधु समिति ऐसी प्रतिभाओ के सम्मान को लेकर भोपाल सहित अन्य नगरो मे घर घर जाकर लगातार आयोजन कर रही है। इसी उद्देश्य को लेकर मशहूर फिल्म, टीवी एक्ट्रेस श्रीमति सोनिया श्रीवास्तव के सम्मान को लेकर कोलार रोड सर्वधर्म कालोनी में श्रीमति रेणू संजय श्रीवास्तव के निवास पर चित्रगुप्त सम्मान कार्यक्रम रखा गया है। समिति के अध्यक्ष गिरीश श्रीवास्तव ने सोनिया श्रीवास्तव को पीला गमछा पहनाकर स्मृति चिन्ह प्रशस्ति पत्र प्रदान कर भगवान श्रीचित्रगुप्तजी की तस्वीर भेट कर प्रतिभा गौरव सम्मान से सम्मानित किया है।

दांगी ने मनरेगा को लेकर राष्ट्रपति के नाम पटवारी एवं पंचायत सचिव को सौंपा ज्ञापन

ब्यावरा। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राहुल दांगी ने मनरेगा को लेकर ग्राम भाटपुरा एवं ग्राम निवानीया की पंचायत भवन में पहुंचकर पंचायत के मुख्य लोगों के साथ राष्ट्रपति के नाम पटवारी एवं पंचायत सचिव को ज्ञापन सौंपा, ज्ञापन में मांग कि गई कि स्वर्गीय डॉक्टर मनमोहन सिंह ने ग्रामीण क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को ध्यान में रखते हुए ग्रामीण किसान मजदूर के लिए एक अति महत्वपूर्ण रोजगार आधारित महात्मा गांधी रोजगार गारंटी अधिनियम मनरेगा संबंधित कानून यूपीए सरकार ने बनाया था जो एक अधिकार आधारित कानून है वह प्रत्येक ग्रामीण परिवार को मजदूरी रोजगार की मांग करने का वैधानिक अधिकार देता है कानून के अंतर्गत राज्य सरकार 15 दिनों के भीतर रोजगार उपलब्ध कराने के लिए बाध्य है।

ठेकेदार ने बेसाल्ट पत्थर की जगह लगा दिए लाल पत्थर

2 करोड़ 88 लाख की लागत से होने वाले सौन्दर्यीकरण में किया जा रहा घटिया निर्माण

नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय, का आदेश भी हवा हवाई

दैनिक अवन्तिका ▸▸ आगर मालवा

नगर पालिका द्वारा शहर को सुंदर बनाने के नाम पर जनता के टैक्स के पैसों की खुली बंदरबांट का एक और गंभीर मामला सामने आया है। ताजा मामला शहर के मध्य स्थित रातड़िया तालाब सौंदर्यकरण कार्य से जुड़ा है, जहां नियमों को ताक पर रखकर बेसाल्ट पत्थर की जगह निम्न स्तर के लाल पत्थर का उपयोग किया जा रहा है। यह पूरा खेल ठेकेदार और नगर पालिका के जिम्मेदारो की मिलीभगत से किया जा रहा है।

गौरतलब है कि 8 अक्टूबर 2025 को संचालनालय, नगरीय प्रशासन एवं विकास, भोपाल से प्रदीप एस. मिश्रा (प्रमुख अभियंता) द्वारा सभी नगर पालिकाओं को स्पष्ट निर्देश जारी किए गए थे कि जल स्त्रोतों के आसपास सौंदर्यकरण कार्य में सैंड स्टोन, सेडिमेंटरी रॉक या लाल पत्थर का उपयोग न किया जाए, क्योंकि ये पत्थर हवा के दबाव और बारिश में जल्दी खराब हो जाते हैं। इसके स्थान पर मजबूत व टिकाऊ बेसाल्ट पत्थर के उपयोग के सख्त निर्देश दिए गए थे।

इन स्पष्ट निर्देशों के बावजूद आगर नगर पालिका के जिम्मेदार अधिकारियों ने आंख मूंदकर ठेकेदार को घटिया लाल पत्थर लगाने की खुली छूट दे दी। हैरानी की बात यह है कि आदेश जारी होने के तीन महीने बाद भी यहां बड़ी मात्रा में निर्माण कार्य पूरा किया जा चुका है, लेकिन किसी ने न तो आपत्ति की और न ही काम रोका।

नगर पालिका द्वारा रातड़िया तालाब सौंदर्यकरण पर करीब 2 करोड़ 88 लाख रुपये खर्च किए जा रहे हैं। सवाल यह है कि जब राशि करोड़ों में है तो फिर गुणवत्ता में समझौता क्यों? क्या मजबूती की जगह सिर्फ कमीशन और सेटिंग को तरजीह दी जा रही है?

इतना ही नहीं, ठेकेदार द्वारा तालाब की मौजूदा पाल पर ही नया निर्माण किया जा रहा है, जबकि नियमानुसार यहां नींव खोदकर नई दीवार बनाई जानी चाहिए थी। इस गंभीर तकनीकी चूक पर भी नगर पालिका के जिम्मेदारों का ध्यान नहीं गया, जो भविष्य में बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

जब इस मामले में नगर पालिका उटड कुशल सिंह डोडवे से बात की गई तो उन्होंने बेसाल्ट पत्थर संबंधी आदेश की जानकारी न होने की बात कही। यह जवाब अपने आप में कई सवाल खड़े करता है, क्योंकि आदेश को जारी हुए तीन महीने से अधिक समय बीत चुका है और उसी दौरान अधिकांश कार्य भी हो चुका है। लेकिन सवाल यह है कि अब तक जिम्मेदारी किसकी थी? वहीं, इस पूरे मामले पर शहरी विकास अभिकरण अधिकारी मिलिंद ढोके से जब दूरभाष पर संपर्क करना चाहा तो उन्होंने फोन नही उठाया। इसके बाद जब सीएमओ से दूरभाष पर संपर्क करना चाहा तो उन्होंने भी फोन उठान उचित नहीं समझा।

अब बड़ा सवाल यह है की क्या रातड़िया तालाब सौंदर्यकरण वास्तव में शहर की सुंदरता बढ़ाने के लिए है, या फिर यह ठेकेदारों और अधिकारियों के लिए कमाई का जरिया बन चुका है? अब देखना यह होगा कि जांच सिर्फ कागजों तक सीमित रहती है या फिर दोषियों पर वास्तविक कार्रवाई भी होती है।

साबरमती एक्सप्रेस की बोगी मे मिली अचेत अवस्था मे महिला

ब्यावरा। राजगढ़ जिले में ब्यावरा-राजगढ़ रेलवे स्टेशन पर ट्रेन क्रमांक 19168 साबरमती एक्सप्रेस के एसएलआर बोगी मे इंजन तरफ एक महिला अचेत अवस्था मे मिली ट्रेन आने पर डयूटी पर मौजूद पुलिस कर्मी सुशीला परते, रामजीवन मीना और जितेन्द्र यादव ने कोच अटेंड किया महिला बेहोश थी जिसके साथ उसकी बेटी भी थी तत्काल दोनो को सिविल अस्पताल ब्यावरा ले जाया गया डाक्टर तरूणिमा पटेल ने उक्त महिला का इलाज किया डाक्टर द्वारा बताया गया कि शुगर बढ जाने से महिला की तबीयत खराब हुई अस्पताल में एडमिट कर लिया गया है महिला की बेटी ने बताया कि हम जनरल टिकिट लेकर शाहगंज से अहमदाबाद की यात्रा कर रहे थे पिता मो.याकूब अहमदाबाद मे मजदूरी करते है मम्मी समा परवीन 38 वर्ष निवासी 316 हाजीपुर बीरी, हाजीपुर, अलीमुद्दीनपुर जिला सुल्तानपुर उ.प्र. की तबीयत पहले भी इसी तरह घर पर खराब हो गई थी इसलिये मो.याकूब ने परवीन को इलाज हेतु अहमदाबाद बुलाया था महिला के पति से मोबाईल पर चर्चा की गयी बेटी ने अपने पास पैसे नही होना बताया तो महिला पुलिस कर्मी सुशीला परते ने महिला की बेटी को खर्च हेतु 1000 रुपये भी दिये बताया गया कि किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर जीआरपी थाने पर सूचना देकर बताये।

अभिज्ञान हाई स्कूल में युवा दिवस व सूर्य नमस्कार कार्यक्रम संपन्न

तराना। अभिज्ञान हाई स्कूल में स्वामी विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय युवा दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय में युवा दिवस कार्यक्रम एवं सामूहिक सूर्य नमस्कार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शानू मकवाना (खेल एवं युवा कल्याण विभाग, तराना) रहीं। विशेष अतिथियों में विद्यालय प्राचार्य दिनेश कुमार हरड़, अंग्रेजी विभाग प्रमुख मंजरी लोया, प्रधानाचार्य अंबाराम चौहान, एवं खेल शिक्षक अभिषेक देथलिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा सरस्वती माता के पूजन एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्प अर्पण किया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि मकवाना ने विद्यार्थियों को सामूहिक सूर्य नमस्कार करवाते हुए इसके शारीरिक, मानसिक एवं आत्मिक लाभों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नियमित सूर्य नमस्कार से युवा स्वस्थ, ऊजार्वान एवं अनुशासित बनते हैं। कार्यक्रम में सभी शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों के साथ सहभागिता करते हुए सूर्य नमस्कार किया, जिससे बच्चों में विशेष उत्साह देखने को मिला।विद्यालय परिवार ने स्वामी विवेकानंद के विचारों को आत्मसात करते हुए युवाओं को राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने का संदेश दिया।उक्त जानकारी विद्यालय प्रवक्ता राजेश मालवीय एवं हर्ष नागर द्वारा दी गई।

श्री शारदा इंस्टिट्यूट ऑफ एजुकेशन में शानदार कल्चरल प्रोग्राम का आयोजन

दैनिक अवन्तिका ▸▸ बड़नगर

शारदा हायर सेकेंडरी स्कूल में वार्षिक उत्सव के अंतर्गत कल्चरल प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में मां सरस्वती का पूजन दीप प्रज्वलन तथा संस्था के फाउंडर के श्रीवास्तव की तस्वीर पर माल्यार्पण संस्था की कक्षा 12वीं टॉपर्स कुमारी अंशिका जैन, उनकी दादी राजमती जैन एवं 10३ की टॉप सुहानी शर्मा एवं उनके माता-पिता कमल एवं कुसुम शर्मा द्वारा किया गया। संस्था प्राचार्य बृजेश श्रीवास्तव द्वारा अतिथियों का स्वागत मोतियों की माला से किया गया।

प्राचार्य श्रीवास्तव ने उद्बोधन में बच्चों में संस्कारों एवं अनुशासन के लिए पालकों से अपील की। साथ ही उन्होंने संपूर्ण विश्व में विद्यालयों को सर्वश्रेष्ठ संस्था बताते हुए कहा कि विद्यालय ही वह स्थान है जहां अच्छे नागरिक तैयार होते हैं। वार्षिक उत्सव में कक्षा नर्सरी से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं द्वारा एक से बढ़कर एक शानदार प्रस्तुतियां दी गई। क्लास सेकंड के छात्रों द्वारा श्री गणेश नृत्य से कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। कक्षा नर्सरी के छात्र-छात्राओं द्वारा आह टमाटर बड़े मजेदार पोयम पर दी गई प्रस्तुति के साथ विभिन्न कक्षा के छात्र-छात्राओं द्वारा राजस्थान, पंजाब, काश्मीर, दक्षिण भारत, उत्तरांचल राज्यों के नृत्य के साथ क्लासिकल और बॉलीवुड सॉन्ग पर दी गई साथ ही महाभारत ,ऑपरेशन सिंदूर वीर संभाजी और कवि कलश के छावा फिल्म के डायलॉग, ओल्ड एवं न्यू जेनरेशन, तथा ओल्ड एज होम जैसे शानदार नाटकोका सफल मंचन किया गया। ओल्ड एज होम ड्रामा ने सभी की आंखें नम कर दी। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता संतोष जोशी एवं अमीना बानो ने क्लास 11वीं और 12वीं के छात्र-छात्राओं के साथ किया। आभार विद्यालय के व्याख्याता सुभाष राठौड़ ने प्रकट किया।

माता-पिता समय निकाल कर बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार भी देवे- रामनवमी दास महाराज

बडनगर। शिक्षक विद्यालय के एक कमरे में एक साथ कई विद्यार्थियों को शिक्षा देता है, एक ही चाक से ब्लैक बोर्ड पर सभी को सामान भाव से शिक्षा देता है लेकिन एक विद्यार्थी प्रथम आता है क्योंकि उसने गुरु के ज्ञान को आत्म सात किया। वैसे ही इस भव सागर में गुरु के बताए पथ पर चलोगे तो गोविंद प्राप्त होगा जीवन यात्रा सफल होगी । उक्त उदगार पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन संप्रदाय के भ्रमण शील जमात के मुख्या महंत रामनवमी दास महाराज ने सराफा चौक स्थित उदासीन अखाड़े में कहे आपने कहा कि आप सब समय निकाल कर बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार देवे । कुटुंब सभा करे, पर्यावरण पर ध्यान देवे, नगर के धार्मिक स्थानों को स्वच्छ रखे, समाज में सकारात्मक कार्य करे, एक जुट रहे, प्रभु नाम स्मरण करे। इनको करने से आप के जीवन में सूर्य उत्तरायण की ऊर्जा प्राप्त होगी। आप का उज्जैन से बड़नगर में प्रथम बार आगमन हुआ ।आपके साथ महंत राममुनि, सत्यानंद दास उज्जैन, सर्वमुनि कोट पुतली जयपुर भी पधारे। आपने आगामी सिंहस्थ 2028 को लेकर भक्तों आमंत्रित किया। साथ ही कहा कि बहुत शीघ्र जमात नगर में आएगी यहां के भक्त गुरुचरणाश्रय में लीन रहते हे । इस अवसर पर गुरुदेव का पंडित आशुतोष भट, रामनिवास नवहाल ने स्वस्ति वाचन किया।

सर्वार्थ सिद्धि योग में गुप्त नवरात्र का आरंभ 19 को

बड़नगर। प्राचीन हिंगलाज माता मंदिर रंगार सेरी में माघ मास की गुप्त नवरात्रि का आरंभ 19 जनवरी को सर्वार्थ सिद्धि योग के महासंयोग में होगा। गुप्त नवरात्र में माता का विशेष श्रृंगार होगा। पुजारी देवपुरी गोस्वामी ने बताया कि इन नौ दिनों में साधक तंत्र, मंत्रव यंत्र सिद्धि की गुप्त आराधना करेंगे। भागवत महापुराण में वर्ष में चार नवरात्र की मान्यता है। इसमें दो प्राकट्य व दो गुप्त नवरात्र मानी गई है।

अपर ने बचा ली निखिल की जान कातिल मांझे से गले में आए घाव

शुजालपुर। मकर सक्रांति आते ही चाईनीज मांझे की तरह नायलॉन मांझा भी पतंग बाजी के लिए आज चुका है, इन दोनों से ही मानव जीवन और पक्षियों को काफी खतरा है। देश व प्रदेश में इस तरह के मांझों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही है और कुछ स्थानों पर जानलेवा भी बन रहा है। शहर में भी एक युवक मांझे का शिकार हुआ, जिससे उसके गले में घाव हो गए, हालांकि ठंड से बचाव के लिए अपर पहने हुए होने के कारण अनहोनी होने से बच गई। मिली जानकारी अनुसार शुजालपुर सिटी निवासी निखिल नाविक अपने दोस्त के साथ रेलवे स्टेशन के समीप से बाइक द्वारा जा रहा था तभी पतंग का मांझा उसके लगे में उलझ गया, जिससे उसे गहरे घाव हो गए। यह युवक गले में हुए घाव के इलाज के लिए अस्पताल भी पहुंचा, जहां पर उपचार व परामर्श दिया गया। मीडिया से चर्चा में निखिल ने बताया कि यदि बाइक तेज गति से होती और अपर नहीं होता तो वह मांझा जानलेवा भी हो सकता था। बता दे चाईनीज मांझे पर देश में बेन लगा रखा है, थाना प्रभारी शुजालपुर मंडी शिवकुमार यादव ने बताया कि चाईनीज मांझे पर प्रतिबंध होने के संबंध में मुनादि कराई जा चुकी है, साथ ही इसकी बिक्री न हो इसके लिए चेतावनी दी जा चुकी है, कुछ स्थानों पर सूचना के आधार पर सर्चिंग भी कराई गई लेकिन शहर में चाईनीज मांझा नहीं मिला है।

कांग्रेस नेता की माता का निधन

नजरपुर। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेता एवं जिला कांग्रेस कमेटी उज्जैन के पूर्व अध्यक्ष जनपद पंचायत घटिया के पूर्व अध्यक्ष रामेश्वर पटेल रामगढ़ व कृषि उपज मंडी उज्जैन के पूर्व डायरेक्टर विजय सिंह पटेल की माता जी के निधन के समाचार प्राप्त होने पर अखिल भारतीय युवा कांग्रेस के पूर्व महासचिव हेमंत सिंह चौहान, युवा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष धीरज सिंह पवार, मध्यांचल रविदास समाज के संस्थापक जिलाध्यक्ष मदन लाल गुजराती . जनपद पंचायत घटिया के पूर्व सदस्य बहादुर सिंह देपन आदि वरिष्ठ कांग्रेस जनों ने उनके निवास रामगढ़ में जाकर स्व. श्रीमती जानी बाई के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर परमपिता परमेश्वर से उनकी आत्मा को शांति प्रदान की करने की प्रार्थना की। इस अवसर पर क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधि एवं सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी और आंजना समाज के पदाधिकारी भी मौजूद थे।

विवेकानंद संदेश यात्रा में महापुरुषों के वेश में उतरे विद्यार्थी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ सुसनेर

स्वामी विवेकानंद जयंती एवं राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद नगर इकाई सुसनेर द्वारा 12 जनवरी को विवेकानंद संदेश यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रभक्ति, आत्मविश्वास, अनुशासन एवं चरित्र निर्माण के भाव जागृत करना रहा। इसमें नगर के विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के सैकड़ों विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। नगर में निकली इस भव्य संदेश यात्रा में विद्यार्थियों ने स्वामी विवेकानंद, भारत माता, रानी लक्ष्मीबाई, रानी अबक्का, रानी दुर्गावती, भगत सिंह सहित अनेक महापुरुषों के वेश धारण कर राष्ट्र निर्माण के आदर्शों को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। यात्रा के दौरान उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक रुको मत, युवाशक्ति से राष्ट्रशक्ति और राष्ट्र प्रथम जैसे नारों से नगर का वातावरण देशभक्ति से गूंज उठा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रांत संयोजक तिलक जोशी रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचार आज के युवाओं को आत्मनिर्भर, चरित्रवान और राष्ट्रनिष्ठ बनने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने युवाओं से समाज व राष्ट्र के लिए समर्पित भाव से कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में एबीवीपी के पूर्व जिला संयोजक अभिजीत बजाज, नगर अध्यक्ष प्रतीक राठौर एवं नगर मंत्री चेतन शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। वक्ताओं ने युवाओं की भूमिका, सामाजिक समरसता एवं राष्ट्र निर्माण पर विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम का संचालन जिला टोली सदस्य हनु सोनी ने किया तथा आभार प्रदर्शन नगर मंत्री चेतन शर्मा ने किया। इस अवसर पर जिला संयोजक हुसैन दरबार, प्रांत कार्यकारिणी सदस्य गोविंद पाटीदार, उमा सिसोदिया सहित अनेक कार्यकर्ता एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। राष्ट्रीय युवा दिवस पर आयोजित यह कार्यक्रम विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रसेवा के भाव को सशक्त करने वाला सिद्ध हुआ।

विद्यार्थियों ने लिया प्रेरणा का संकल्प

स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर पीएम जवाहर नवोदय विद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन, राष्ट्रभक्ति तथा युवा शक्ति के महत्व को मजबूत करना रहा। कार्यक्रम की शुरूआत स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ की गई। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा प्रेरणादायी भाषण, विचार अभिव्यक्ति एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिनमें स्वामी विवेकानंद के जीवन दर्शन, उनके संघर्ष और देशभक्ति से ओत-प्रोत विचारों को प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य ए.के. पाठक ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद जी के विचार आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि युवा यदि अनुशासन, परिश्रम और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें तो वे न केवल अपने जीवन को सफल बना सकते हैं बल्कि राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आत्मनिर्भर बनने, लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने और समाज के प्रति अपने दायित्वों को निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों ने स्वामी विवेकानंद जी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। आयोजन का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

कानड़

नगर के नेताजी सुभाष पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल में राष्ट्रीय युवा दिवस स्वामी विवेकानंद जी के जन्म दिवस के अवसर पर सामूहिक सूर्य नमस्कार वरिष्ठ शिक्षक दीपक बोस व अर्जुन झलाया के मार्गदर्शन में किया गया। इससे पूर्व प्राचार्य कृष्णचंद्र शर्मा व प्रधानाध्यापक राधेश्याम बरेठा ने स्वामी विवेकानंद व मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरूआत की। प्राचार्य द्वारा स्वामी विवेकानंद जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों पर चलने की बात कही।इस अवसर पर प्रगणेश दुबे, राजेश बीजापारी, दीपक सेन, मनीष विश्वकर्मा, गौरव चावड़ा, विशाल बरेठा, दीपा दुबे व बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

मकर संक्रांति भारतीय संस्कृति का एक प्रमुख त्योहार है, जो पूरे देश में धूमधाम से मनाया जाता है। ये त्योहार खासतौर पर फसल की कटाई के साथ जुड़ा होता है। मकर संक्रांति के दौरान खास पकवान बनाए जाते हैं, जो न केवल स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि परंपरा का हिस्सा भी हैं।

इस दिन तिल, गुड़ और अन्य मौसमी सामग्रियों से बने विभिन्न पकवानों का महत्व है, जो स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी माने जाते हैं। इस लेख में हम मकर संक्रांति के पारंपरिक पकवानों के बारे में बात करेंगे, जो इस दिन के आनंद को और भी बढ़ा देते हैं। ये पकवान न केवल स्वाद में लाजवाब होते हैं, बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी काफी लाभदायक माने जाते हैं।

मकर संक्रांति के त्योहार पर खास पकवान बनाने की परंपरा है। अगर आपको इन पकवानों के बारे में नहीं पता है तो ये लेख आपके काम का है। हम यहां आपको मकर संक्रांति की पारंपरिक रेसिपी के बारे में जानकारी देंगे।

मकर संक्रांति पर बनाएं पारंपरिक पकवान

तिल गुड़ के लड्डू

- मकर संक्रांति के दौरान तिल और गुड़ से बने लड्डू का खास महत्व है।
- तिल में कैल्शियम, आयरन और अन्य पोषक तत्व होते हैं, जबकि गुड़ शरीर को गर्मी प्रदान करता है।
- ये पकवान खासतौर पर सर्दियों में लाभकारी होता है और इसका सेवन शरीर को ऊर्जा देता है।

विधि

- इसे बनाने के लिए सबसे पहले तिल को हल्का सा भून लें ताकि उसकी खुशबू और स्वाद बढ़ जाए।
- अब गुड़ को छोटे टुकड़ों में काटकर इसे हल्की आंच पर पिघलाएं।
- गुड़ पिघलने के बाद इसमें भुना हुआ तिल डालें और अच्छे से मिलाएं।
- मिश्रण को थोड़ा ठंडा होने दें ताकि इसे हाथों से गूंधा जा सके. फिर मिश्रण के छोटे-छोटे भाग लेकर गोल लड्डू बना लें।

गुड़-तिल की चिक्की

- ये पकवान विशेष रूप से उत्तर भारत में प्रसिद्ध है।
- गुड़ और तिल का मिश्रण चक्की के रूप में तैयार किया जाता है, जो स्वाद में मीठा और खुशबूदार होता है।
- ये पकवान सर्दियों में शरीर को ऊर्जा और गर्मी देने में मदद करता है।

विधि

- इसे बनाने के लिए सबसे पहले तिल को हल्का सा भून लें ताकि उसकी खुशबू और स्वाद बढ़ जाए।
- अब गुड़ को छोटे टुकड़ों में काटकर इसे हल्की आंच पर पिघलाएं।
- गुड़ पिघलने के बाद इसमें भुना हुआ तिल डालें और अच्छे से मिलाएं।
- मिश्रण को थोड़ा ठंडा होने दें ताकि इसे हाथों से गूंधा जा सके. फिर मिश्रण के छोटे-छोटे भाग लेकर गोल लड्डू बना लें।

खिचड़ी

- मकर संक्रांति के दिन खासतौर पर खिचड़ी बनाने की परंपरा है।
- खिचड़ी सेहत के लिए फायदेमंद होती है और इसे ताजे हरे धनिये, घी और मसालों के साथ तैयार किया जाता है।

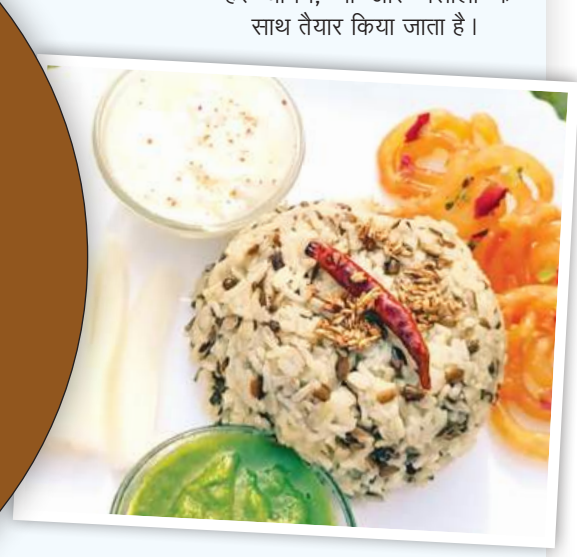

विधि

- खिचड़ी बनाने के लिए सबसे पहले चावल और उड़द की दाल को अच्छे से धो लें।
- अब एक पतीले में थोड़ा घी डालें और उसमें जीरा और हल्दी डालकर भूनें।
- इसके बाद इसमें धोए हुए चावल और दाल डालें और पानी, नमक मिलाकर ढककर पकाएं।
- जब खिचड़ी पूरी तरह से पक जाए, तो ऊपर से घी डालकर हरा धनिया और हींग से सजाएं।

सर्दी के मौसम में अगर कुछ गरम खाने को मिल जाते तो उसकी बात ही अलग होती है। ऐसे में हम आपको बताएंगे दाल का दूल्हा या फिर दाल ढोकली बनाने का सही तरीका।

सर्दी के मौसम में बनाकर खाएं 'दाल का दूल्हा'

सर्दियों का मौसम हो और कुछ गरम-गरम खाने का मन हो, तो घर की बनी दाल का दूल्हा या दाल ढोकली खाने का मजा ही अलग होता है। ये व्यंजन सिर्फ स्वादिष्ट ही नहीं, बल्कि पौष्टिक भी होता है। सर्दियों में शरीर को गर्म रखने के लिए इसमें मौजूद मसाले और दाल का प्रोटीन बेहद फायदेमंद होते हैं।

कुछ राज्यों में ये व्यंजन काफी लोकप्रिय है। दाल का दूल्हा या ढोकली एक ऐसा पकवान है जिसे परिवार के सभी सदस्य आसानी से पसंद कर लेते हैं। इसे बनाने में ज्यादा समय भी नहीं लगता और साधारण सामग्री से इसे घर पर बनाना आसान है। सही तरीके से इसे बनाएं तो इसका स्वाद इतनी परफेक्ट हो जाता है कि चावल, रोटी या अकेले ही खाने में भी मजा आता है।

सामग्री

- तूअर की दाल- 1 कप
- आटा- 2 बड़े चम्मच
- हल्दी, लाल मिर्च पाउडर
- टमाटर
- प्याज
- हरी मिर्च और अदरक
- हींग, तेल या घी- 1 बड़ा चम्मच
- नमक- स्वादानुसार

विधि

दाल का दूल्हा या दाल ढोकली बनाने के लिए सबसे पहले तूअर की दाल को 1ञ2 घंटे पानी में भिगो दें। इससे दाल जल्दी गलती है और ढोकली डालने पर पकने में आसानी रहती है। इसके बाद दाल को हल्की आंच पर उबालें और इसमें नमक, हल्दी, बारीक कटी हरी मिर्च और कद्दूकस किया हुआ अदरक डालें। चाहें तो थोड़ी हींग भी डाल सकते हैं, जिससे दाल का स्वाद और भी बढ़ जाता है।

जब तक दाल पक रही है तब तक गेहूं के आटे में हल्का नमक डालकर गूंथें और उससे छोटी-छोटी लोइयां बनाएं। जब दाल उबल जाए तो उबलती दाल में ढोकली को धीरे-धीरे डालें।

ढोकली डालने के बाद इसे धीमी आंच पर 15-20 मिनट तक पकने दें और बीच-बीच में हल्का हिलाते रहें ताकि ढोकली पक जाए। इस दौरान एक छोटे पैन में तेल या घी गर्म करें और उसमें बारीक कटा टमाटर और प्याज, हींग व लाल मिर्च का तड़का लगाकर दाल और ढोकली में डालें।

अंत में इसमें हरा धनिया काटकर डालें। गरम-गरम दाल का दूल्हा बड़े से कटोरे में डालकर परोसें। बस ध्यान रखें कि ज्यादा देर पकाने से ढोकली सख्त हो सकती है, इसलिए समय का ध्यान रखें।

Sport

तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 से आगे चल रही भारतीय टीम की नजरें अब न्यूजीलैंड के खिलाफ अजेय बढ़त लेने पर टिकी होंगी। आइए जानते हैं दूसरे वनडे के लिए दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग कैसी हो सकती है...

जीत के साथ सीरीज अपने नाम करने उतरेगा भारत, बदोनी करेंगे डेब्यू या नीतीश को मिलेगा मौका?

राजकोट। भारत और न्यूजीलैंड के बीच बुधवार को तीन मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मैच खेला जाएगा। भारत ने वडोदरा में खेले गए पहले मैच में जीत दर्ज कर सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली थी और अब उसकी नजरें दूसरे मैच को जीतकर सीरीज अपने नाम करने पर टिकी होंगी। भारत के लिए चिंता की बात यह है कि उसके दो खिलाड़ी चोटिल होने के कारण इस सीरीज से बाहर हो गए हैं। ऋषभ पंत पहले से पूर्व चोटिल हुए थे और उनकी जगह ध्रुव जुरेल को टीम में शामिल किया गया था। वहीं, वाशिंगटन सुंदर के चोटिल होने की वजह से आयुष बदोनी को वनडे टीम में जगह मिली थी। अब यह देखना होगा कि बदोनी दूसरे वनडे से डेब्यू कर पाते हैं या नहीं।

कोहली की फॉर्म बरकरार: भारत के लिए सबसे ज्यादा राहत की बात स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का फॉर्म में होना है। कोहली दक्षिण अफ्रीका के बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ भी लय में नजर आए। कोहली पहले वनडे मैच में शतक लगाने से चूक गए, लेकिन उनकी पारी ने भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। कोहली से एक बार फिर बड़ी पारी खेलने की उम्मीद होगी। इसमें कोई शक नहीं है कि शीर्ष छह स्थान में कोई बदलाव नहीं होगा। रोहित शर्मा और कप्तान शुभमन गिल पारी का आगाज करेंगे, जबकि तीसरे स्थान पर कोहली और चौथे नंबर पर श्रेयस अय्यर उतरेंगे। पांचवें स्थान पर बल्लेबाजी के लिए रवींद्र जडेजा और छठे नंबर पर केएल राहुल आएंगे।

ऑलराउंडर को दी जा सकती है प्राथमिकता: भारत के लिए वनडे में पहले छह स्थान सुनिश्चित है और टीम प्रबंधन अगर बदलाव की सोचेगा तो गेंदबाजी में ऐसा हो सकता है। हालांकि, वाशिंगटन पहले मैच के लिए प्लेइंग-11 का हिस्सा थे और उनके बाहर होने से किसी ऑलराउंडर को ही जगह मिलेगी। चयनकर्ताओं ने दिल्ली के आयुष बदोनी को टीम में शामिल किया है, लेकिन भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर की ऑलराउंडर को प्राथमिकता देने की रणनीति को देखते हुए नीतीश कुमार रेड्डी के रूप में एक और ऑलराउंडर को अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है। ऐसे में बदोनी को डेब्यू के लिए इंतजार करना पड़ सकता है।

दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग-11

भारत: रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा।

न्यूजीलैंड: डेवोन कॉन्वे, हेनरी निकोल्स, विल यंग, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, मिचेल हे (विकेटकीपर), माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), जकारी फोल्क्स, क्रिस्टियन क्लार्क, काइल जैमीसन, आदित्य अशोक।

एलिसा हीली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का एलान किया; भारत के खिलाफ खेलेंगी आखिरी मुकाबला

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की कप्तान एलिसा हीली, जिन्हें महिला क्रिकेट इतिहास की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक माना जाता है, ने मार्च में भारत के खिलाफ घरेलू सीरीज के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की है। 35 वर्षीय हीली ने 2010 में डेब्यू किया था और तब से अब तक उन्होंने लगभग 15 साल के करियर में तीनों प्रारूपों को मिलाकर 7000 से ज्यादा रन बनाए और विकेट के पीछे 275 से ज्यादा शिकार किए हैं। मेग लैनिंग के संन्यास के बाद 2023 के अंत में हीली ने ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी संभाली थी।

अपनी घोषणा में हीली ने कहा, 'मिली जुली भावनाओं के साथ मैं कह रही हूं कि आने वाली भारत सीरीज ऑस्ट्रेलिया के लिए मेरी आखिरी होगी। मैंने कहीं न कहीं वह प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता खो दी है जो मुझे हमेशा आगे बढ़ाती थी। इसलिए मुझे लगता है कि अब खेल को अलविदा कहने का सही समय है।' उन्होंने यह भी बताया कि वह टी20 विश्व कप 2026 में नहीं खेलेंगी और इसलिए भारत के खिलाफ टी20 मुकाबलों में भी हिस्सा नहीं लेंगी। हालांकि, वह घर पर भारत के खिलाफ वनडे और टेस्ट प्रारूप में कप्तानी करते हुए करियर समाप्त करने को लेकर बेहद उत्साहित हैं।

आवश्यकता है
मार्केटिंग / सेल्समैन
वेतन 12000 से 15000 योग्यतानुसार
(समय प्रातः 7.30 से 6 बजे तक लन्च 1 से 2.30)
नोटः जरूरतमंद एवं अनुभवी की आवश्यकता
संपर्क
मो.9575477077

प्लाट बेचना है
गणेशपुरा, मक्सी रोड, संजोग गेस एजंसी के सामने 19'x55' और 15'x55' साइज के प्लाट बेचना है । प्रस्तावित फोरलेन से मात्र 100 फिट की दूरी पर। ब्रोकर बंधु कृपया क्षमा करे।
मो. 9131720147, 9424045696

अवश्यकता है
पेन्ट बनाने वाले कारीगरों की व शर्ट व सफारी बनाने वाले कारीगरों की आवश्यकता है।
मेमोरियल टेलर्स शहीद पार्क फ्रीगंज (उज्जैन)
मो. 9425094114

रेंट पर देना/आवश्यकता
1- उज्जैन मेन रोड चिमनगंज मंडी के सामने 2400 स्क्वे. फीट का शोरूम रेंट पर देना है। ऑफिस, बैंक के लिए
2- साड़ी शोरूम पर सेल्सगर्ल व सेल्समेन की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 20000 रुपए
संपर्क
9826398272

कर्मचारी की आवश्यकता
क्षिप्रा ढाबे पर अनुभवी वेटर हेल्पर किचन हैल्पर तंदूर वाला और सिक्युरिटी गार्ड की तुरंत आवश्यकता है
पता- हरिफाटक फ्लाईओवर ब्रिज इंदौर रोड उज्जैन, 761-0571808

कृषि भूमि बेचना है
• उज्जैन से मात्र 16 किमी पर 5 बीघा ग्राम आँवलिया में मात्र 22 लाख रुपये बीघा
• 25X60 का प्लॉट बेचना है एमपी नगर में
• 13X50 का मकान बेचना है मक्सी रोड एम आर 5 रोड पर
• 17X30 तीन मंजिला मकान बेचना है मेन रोड पर सांदीपनी नगर एम आर 5 रोड पर
मो. 9301388290, 9340903559

अमरूद बेचना है
अमरूद का बगीचा जवासिया कुमार, लालपुर, उज्जैन में चार बीघा में करीब 400 अमरूद के पेड़ अच्छी बहार आई फल बेचना है।
: संपर्क :
7746856444

आवश्यकता
होटल हिमालया ग्रीन
खाना खजाना मक्खन वाला रेस्टोरेन्ट
देवास रोड, उज्जैन (म.प्र.)
1- तवा रोटी बनाने वाले
2- वेटर
3- चायनीज एवं साऊथ इंडियन सेफ
10, ए विनय नगर देवास रोड, उज्जैन (म.प्र.)
मो. 9575279117

कर्मचारियों की आवश्यकता है
इंदौर में रियल स्टेट कंपनी के ऑफिस में महिला एवं पुरुष कर्मचारियों की आवश्यकता है। अनुभवी और फ्रेशर दोनों संपर्क करें, सेल्स एग्जीक्यूटिव एंड टेलीकॉलिंग
सुपर कॉरिडोर और विजयनगर इंदौर
मोबा. +91 89629 44070

तुरंत लोन
होम लोन, बिजनेस लोन, ट्रांसफर्म लोन, पर्सनल लोन, ऑफिस वर्क, फील्ड वर्क के लिए गर्ल्स वेतन 10500 रु.
पता: श्री फाइनेंस सर्विस, हार फूल की गली, फ्रीगंज, उज्जैन
मो. 9981248359

शॉप बेचना है
12/1 भोज मार्ग, फ्रीगंज उज्जैन में साढ़े सात 20 की शॉप बेचना है।
संपर्क
9993368146

आवश्यकता है
कारखाने में (उज्जैन)
पैकेजिंग कार्य हेतु महिलाओं एवं आदमियों की
संपर्क करें
9300405252

रद्दी बेचना है
अखबारी फ्रेश रद्दी, थोक रेट में टनों से 10-10 किलो के बंडल में बेचना है
संपर्क
7773077762

वॉटर प्रूफिंग
करवाएं काफी कम रेट में
विजीट चार्ज 499/-
ईट का कॉवा वॉटर प्रूफिंग भी किया जाता है।
बदली के ड्रायवर की आवश्यकता हो तो संपर्क करें
9977140280

न्यूज कॉलम

किसान ने किया सुसाइड : खेत में पत्नी-बच्चों को छोड़कर घर आया, फांसी लगाई

इंदौर। इंदौर के गांधी नगर इलाके में रहने वाले एक किसान ने अपने घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मंगलवार शाम को पत्नी और बच्चे जब खेत से लौटे, तो उन्होंने उसे फंदे पर लटका देखा। किसान खेत से लाइट सुधारने का कहकर घर आ गया था। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है। आत्महत्या के पीछे की वजह फिलहाल सामने नहीं आई है। गांधीनगर पुलिस के अनुसार, जम्मूडी हप्सी में रहने वाले किसान अर्जुन (35), पुत्र रामरतन मकवाना ने मंगलवार को अपने घर में फांसी लगा ली। अर्जुन की पत्नी और बेटी करीब 7 बजे घर लौटे तो दरवाजा अंदर से बंद था। बड़े भाई को बुलाया गया और दरवाजा खोलने पर अर्जुन की सांसें चल रही थीं। उसे गाड़ी से अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अर्जुन के परिवार वालों ने बताया कि वह शुरू से खेती-किसानी करता था। उसका एक बेटा और एक बेटी है, जो घटना के समय पत्नी के साथ खेत पर थे। आसपास के लोगों ने भी शाम के समय उसे लाइट सुधारते हुए देखा था। अर्जुन के माता-पिता धार में रहते हैं, जहां उसकी मां का उपचार चल रहा है। आत्महत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है। खुडैल के देवगुराड़िया में रहने वाले सचिन (38), पुत्र किशोर मालवीय ने अपने घर में जहर खा लिया। मंगलवार रात में तबीयत बिगड़ने पर परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। परिवार के लोगों ने बताया कि सचिन लांड्री का काम करता था। परिवार में एक बड़ा भाई और माता-पिता हैं। सचिन की काफी समय से शादी नहीं हो रही थी, जिसके चलते वह डिप्रेशन में था। दोपहर में उसने जहर लिया। जब परिजन उसे अस्पताल ले जा रहे थे, तब उसने तनाव में जहर खाने की बात कही। हालांकि पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

ठगों ने धोखे से खुलवाए मां-बेटे के खाते डिजिटल अरेस्ट के रुपए का लेन-देन किया

इंदौर। इंदौर क्राइम ब्रांच ने दो लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी के मामले में एफआईआर दर्ज की है। क्राइम ब्रांच आरोपियों की जानकारी जुटा रही है। आरोपियों ने मां-बेटे के नाम पर लोन दिलाने के बहाने बैंक अकाउंट खुलवाए, लेकिन लोन नहीं कराया। इसी दौरान आरोपियों ने उन अकाउंटों में एडवाइजरी और डिजिटल अरेस्ट से जुड़े ठगी के रुपए का लेन-देन कराया।जब बलसाड पुलिस ने फर्जी तरीके से अकाउंटों में आए रुपए को लेकर जांच की, तब मां-बेटे को इस धोखाधड़ी की जानकारी लगी। क्राइम ब्रांच ने सिरपुर बांक निवासी शादाब खान की शिकायत पर विष्णु परमार और उसके साथी सिद्धार्थ के खिलाफ दस्तावेज लेकर धोखाधड़ी करने का मामला दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक, करीब 5 माह पहले एक कैफे में शादाब की मुलाकात विष्णु से हुई थी। विष्णु ने अकाउंट खुलवाने की बात कही, जिसके लिए शादाब ने पूरे दस्तावेज उपलब्ध कराए। इसके बाद विष्णु ने कहा कि जब भी लोन स्वीकृत होगा, वह जानकारी दे देगा। शादाब की मां अनीसा बी के दस्तावेज लेकर इंडियन बैंक में एक अकाउंट और यूको बैंक में दूसरा अकाउंट खुलवाया गया। लोन को लेकर जब भी बातचीत होती, आरोपी टालमटोल करता रहा। सितंबर 2025 में बलसाड पुलिस से जानकारी मिली कि इन अकाउंटों में ठगी के रुपए जमा कराए गए हैं।

कलेक्टर के आदेश पर देर रात चक्काजाम खुला

इंदौर। देपालपुर स्थित उत्कर्ष चौराहे के समीप बनी कॉलोनी के पास लगातार बोरिंग में केमिकल का पानी आ रहा था। इसी बात का पता लगाने के लिए रहवासी लगातार परेशान भी हो रहे थे। कल एस के बोराना कंपनी का टैंकर जैसे ही केमिकल छोड़ता हुआ दिखाई दिया, तो रहवासियों ने जमकर हंगामा कर दिया। रहवासियों ने जिला अध्यक्ष रजत सिंह पटेल को तत्काल सूचना दी , जिसके बाद सभी लोगों ने मिलकर प्रीतमपुर रोड़ पर चक्का जाम कर दिया। रजत पटेल ने आरोप लगाया कि कई कंपनियां इस तरह का केमिकल आसपास के कॉलोनी में छोड़ रही है, जिसकी बारीकी से जांच होना बेहद जरूरी है। इसी दौरान भागीरथपुरा की घटना को लेकर भी नारे लगाए गए। घटना की सूचना मिलते ही तुरंत ही इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर तहसीलदार सत्येंद्र मौके पर पहुंचे और लिखित में कार्यवाही का आश्वासन देकर स्वच्छ और साफ पानी की व्यवस्था की बात कही। प्रशासन की बात पर भरोसा करते हुए प्रवासियों ने अपना धरना प्रदर्शन समाप्त किया।

चाइनीज मांझे की चपेट में आए 4 लोग, बाइक सवार का सड़क पर बहने लगा खून

इंदौर। इंदौर में चाइनीज मांझे से बुधवार को कुछ ही घंटों में चार लोग चपेट में आ गए। पहला हादसा भंवरकुआं इलाके में हुआ, जहां बाइक से जा रहे एक युवक का चाइनीज मांझे से गला कट गया। सड़क पर खून बहने लगा। उसे उपचार के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराय गया है। हेमराज रविन्द्र चौरसिया के रूप में घायल की पहचान हुई है। हेमराज रविंद्र चौरसिया, 115 चांदमारी ईंट का भट्ठा का निवासी है। वह पेट्रोल पंप पर काम करता है। वहां से छुट्टी हो गई थी और मांगलिया स्थित रिश्तेदार के यहां जा रहा था। पुलिस के मुताबिक, घटना तीन इमली क्षेत्र की बताई जा रही है। यहां बाइक से जाते समय युवक का डोर से गला कट गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत उसे अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार, युवक को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

महिला रिश्तेदार ने किए महिला ज्योतिष पर अश्लील कमेंट

इंदौर। इंदौर राजेन्द्र नगर में रहने वाली एक 55 साल की ज्योतिष महिला ने अपने ही रिश्तेदार महिला के खिलाफ मंगलवार को फेसबुक पर फोटो अपलोड कर उस पर आपत्तिजनक कमेंट्स लिखकर उसे वायरल करने के मामले में एफआईआर दर्ज कराई है। पीड़िता का नंबर भी उस फोटो पर अपलोड कर दिया। इससे उन्हें गलत कॉल भी आने लगे। राजेन्द्र नगर पुलिस ने विज्ञान नगर में रहने वाली एक महिला ज्योतिष की शिकायत पर उसकी रिश्तेदार महिला उषा व्यास निवासी देवास के खिलाफ सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक फोटो-वीडियो वायरल कर उसे धमकाने के मामले में एफआईआर की है। पुलिस के मुताबिक पीड़ित महिला ने शिकायत कर बताया कि उषा उसकी रिश्तेदार है। जो आए दिन किसी ना किसी बात पर मोबाइल पर काल कर उनसे विवाद करती है। कुछ दिन से उसके मोबाइल कॉल इसी कारण से उठाना बंद कर दिए। नवंबर में उन्हें पता चला कि उषा की रिश्तेदार महिला राधा के नाबालिग बेटे के फेसबुक आईडी पर उनके 6 फोटो अपलोड हुए हैं। इस पर अश्लील कमेंट्स, गलत व्यवसाय और ज्योतिष के नाम से ठगने वाली महिला होने की बात की गई। यही पोस्ट परिचितों के पास भेजी गई। इसके बाद उन्हें कॉल आने लगे। उन्होंने मामले में जानकारी निकाली तो पता चला कि उषा ने पूरी हरकत की है। उसे रिश्तेदार के माध्यम से समझाया लेकिन नही मानी। उसने इस पोस्ट को सार्वजनिक किया। इसके चलते मोबाइल भी पीड़ित महिला को बंद करना पड़ा। परेशान होकर उसने राजेन्द्र नगर थाने में मंगलवार को उषा के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई।

मकर संक्रांति पर घरों की छतों पर लोगों का जमावड़ा, रात तक चली पतंगबाजी

इंदौर। मकर संक्रांति पर इंदौर में भी पतंगबाजी का उत्साह देखने को मिला। पतंग की दुकानों पर जहां लोगों की भीड़ अलग-अलग पतंगों को खरीदने के लिए लगी रही। वहीं, छतों पर लोग पतंग उड़ाते नजर आए। आसमान में रंगबिरंगी पतंगें उड़ती रही। ये सिलसिला रात तक जारी रही। सुबह से ही इंदौर के आसमान में अलग-अलग तरह की पतंगे आसमान को छूती नजर आई। कहीं, कागज की तो कहीं पन्नी की पतंगे उड़ती दिखी। शहर में खास माहौल पश्चिम क्षेत्र में नजर आया। मल्हारगंज, छिपा बाखल सहित आसपास के इलाकों में पतंगबाजी का उत्साह ज्यादा देखने को मिला। लोग अपने घरों की छतों पर पतंग उड़ाते देखे। बच्चों में भी पतंगबाजी को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। इधर, शहर में अलग-अलग पतंगों की दुकानें सजी है। यहां भी कई प्रकार की पतंगे देखने को मिली। इन दुकानों पर भी पतंगबाजों की भीड़ अपनी पसंद की पतंग खरीदने के लिए लगी रही। कोई अपनी पसंद की पतंग तो कोई अपनी पसंद का मांझा खरीदता नजर आया।

काशी में देवी अहिल्या की धरोहर मणिकर्णिका घाट ध्वस्त इंदौर में आक्रोश

विरोध में धनगर समाज, पाल, बघेल समेत कई समाजों की 15 जनवरी को बैठक प्रस्तावित, इसमें रणनीति तय की जाएगी

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

वाराणसी (काशी) में ऐतिहासिक मणिकर्णिका घाट के एक हिस्से को प्रशासन ने ध्वस्त कर दिया। इस घाट का निर्माण 1771 में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर द्वारा कराया गया था।

1791 में देवी अहिल्याबाई ने इसका जीर्णोद्धार करवाया था। ऐतिहासिक धरोहर के साथ ही मोक्ष, आस्था और सनातन परंपरा के जीवंत प्रतीक इस घाट को विकास के नाम पर धराशायी करने से समाज के विभिन्न वर्गों में नाराजगी है।

वाराणसी प्रशासन की इस कार्रवाई को लेकर इंदौर में आक्रोश है। विरोध में धनगर समाज, पाल, बघेल समेत कई समाजों ने 15 जनवरी को बैठक प्रस्तावित है। इसमें रणनीति तय की जाएगी। समाज का कहना है कि अहिल्याबाई होलकर के त्रिशताब्दी वर्ष के समापन पर उनकी विरासत का ऐसा अनादर आहत करने वाला है।

ढाई सौ वर्ष से ज्यादा प्राचीन मणिकर्णिका घाट काशी के 84 प्रमुख घाटों में शामिल है। पौराणिक मान्यता के अनुसार इसी स्थान पर माता पार्वती की कर्णिका (कान की मणि) गिरी थी, जिससे इसका नाम मणिकर्णिका पड़ा। घाट पर पारंपरिक पत्थर की सीढ़ियां, धार्मिक प्रतीक व शिल्पकला के अवशेष मौजूद हैं। देवी अहिल्या ने यहां तीर्थ यात्रियों के लिए कई सुविधाएं विकसित कराई हैं। प्राचीन स्मारक एवं पुरातात्विक स्थल और अवशेष अधिनियम (एएमएएसआर), 1958 ऐतिहासिक स्मारकों और स्थलों के संरक्षण के लिए प्रमुख कानून है। इस अधिनियम में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को राष्ट्रीय विरासत से जुड़े स्मारकों की सुरक्षा, संरक्षण और उनके आसपास होने वाली गतिविधियों को नियंत्रित करने का अधिकार है।

मणिकर्णिका घाट पर 21 मंदिर, धर्मशाला भी, यहां तोड़फोड़ दुखद है

- इसके तहत स्मारकों के चारों ओर 100 मीटर का प्रतिबंधित क्षेत्र और 200 मीटर का नियंत्रित क्षेत्र निर्धारित किया गया है, ताकि अनधिकृत निर्माण रोका जा सके। वर्ष 2010 के संशोधन में प्रतिबंधित क्षेत्रों में निर्माण पर रोक को और सख्त किया गया है।
- देवी अहिल्या के अच्छे कामों को इस तरह ध्वस्त किया जाना दुखद है। इस पर चर्चा होनी चाहिए। जिस घाट को ध्वस्त किया गया, वहां देवी अहिल्या ने 5 करोड़ से 21 मंदिर, धर्मशाला, अन्न क्षेत्र व स्नान घाट भी बनवाए हैं। इसका महत्व काशी विश्वनाथ से जुड़ा है।

इंदौर-मुंबई फ्लाइट विमान उपलब्ध नहीं होने के कारण रद्द

रात को लेट होने के कारण मुंबई फ्लाइट निरस्त

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

इंडिगो एयरलाइंस ने कल रात मुंबई से इंदौर आने वाली अपनी उड़ान को निरस्त कर दिया। इसके लिए कंपनी ने फ्लाइट के अधिक देर से होने और तब तक इंदौर एयरपोर्ट के बंद हो जाने का हवाला दिया। यह विमान रात में इंदौर आकर सुबह वापस मुंबई जाता है, लेकिन रात में विमान के नहीं आने के कारण सुबह जाने वाली उड़ान को भी रद्द करना पड़ा। आने और जाने वाली दोनों उड़ानों के निरस्त होने से यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

विमानतल से मिली जानकारी के मुताबिक, इंडिगो एयरलाइंस की फ्लाइट (6ई-225) रात 10.10 बजे मुंबई से इंदौर आती है। रात में विमान यहीं रुकता है और सुबह 6.40 बजे वापस मुंबई जाता है। हालांकि कल शाम से ही इस फ्लाइट का संचालन लेट चल रहा था, इसलिए रात को इसके एक घंटे से अधिक देर से पहुंचने का अनुमान था। इंदौर एयरपोर्ट रात 10.30 बजे बंद हो जाता है, इसे देखते हुए कंपनी ने इस फ्लाइट को निरस्त कर दिया।

इसके कारण आज सुबह मुंबई जाने वाली फ्लाइट भी निरस्त करनी पड़ी। इससे रात को मुंबई से आने वाले यात्री वहीं फंस गए और सुबह मुंबई जाने वाले यात्री भी इंदौर में ही अटक गए। कंपनी द्वारा यात्रियों को रिफंड और री बुकिंग का विकल्प दिया गया। मुंबई से आने वाले यात्री आज सुबह की फ्लाइट से इंदौर पहुंचे, वहीं मुंबई जाने वाले यात्रियों को बाद की उड़ानों में शिफ्ट किया गया।

इंदौर-मुंबई के लिए शुरू होगी एक और नई फ्लाइट

इंदौर से मुंबई जाने वाले यात्रियों के लिए एक अच्छी खबर है। इंडिगो और एयर इंडिया के बाद अब स्टार एयर ने भी इंदौर से मुंबई के लिए सीधी उड़ान शुरू करने का निर्णय लिया है। यह उड़ान 15 जनवरी से सप्ताह में पांच दिन संचालित होगी। कंपनी ने अपनी वेबसाइट पर इसकी बुकिंग भी शुरू कर दी है। शुरूआती किराया करीब पांच हजार रुपए रखा गया है। हालांकि, इसके साथ ही कंपनी ने इंदौरझबेंगलुरु की अपनी उड़ान को बंद कर दिया है।

भागीरथपुरा की घटना के बाद खत्म हो सकता है एसओआर का नियम

ड्रेनेज और उद्यान विभाग के कार्यों के होंगे टैंडर

दैनिक अवन्तिका ▸▸ इंदौर

कौनसा काम कितने खर्च में किया जाएगा, इसे लेकर शासन ने एसओआर लागू किया है। इसके लागू होने से कई वार्डों में विकास कार्य रुक गए हैं।

ड्रेनेज लाइन, उद्यान विभाग के काम भी प्रभावित हो रहे हैं। विकास कार्य नहीं होने से जनप्रतिनिधियों में नाराजगी है। दोनों विभागों के काम शुरू नहीं हो पा रहे हैं।

कार्य की लागत निर्धारित होने से ठेकेदारों ने हाथ खींच लिए हैं। जबकि, भागीरथपुरा की नर्मदा लाइन में ड्रेनेज का पानी मिलने से हादसा हो चुका है। किसी अन्य वार्ड में ऐसा हादसा नहीं हो सके, इसलिए निगम जल्द ही पुरानी लाइन बदलने के साथ ड्रेनेज लाइन का काम भी बड़े पैमाने पर शुरू करेगा। कई विकास कार्यों की लागत अपेक्षाकृत कम होती है। ठेकेदार इन कार्यों के पैसे अधिक वसूल लेता है। कार्य भी गुणवत्ता विहीन होते हैं। बार-बार काम कराने तथा ठेकेदारों द्वारा मनमाने ढंग से पैसे वसूलने पर लगाम लगाने शासन ने एसओआर जारी किया है।

इसके जारी होते ही गुणवत्ताविहीन कार्य करने वाले ठेकेदारों और कंपनी ने टैंडर लेना बंद कर दिए हैं। टैंडर नहीं होने से कई विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। लगातार इस संबंध में क्षेत्रीय जनप्रतिनिधिगण महापौर और निगमायुक्त को अपनी समस्याएं बता चुके हैं। समस्याओं के बढ़ने और विकास कार्य ठप होने के बाद अब एसओआर का नियम शिथिल करने की बात कही जा रही है।

पुरुषों की शक्ति वर्धक दवाईयाँ मिलती है
(25 वर्षों से आपकी सेवा में)
भास्कर आयुर्वेदिक
32, बहादुरगंज, उज्जैन समय- सुबह 11 से 3 बजे तक शाम 6 से 9 बजे तक मो. 98263-71718

बिना तोड़फोड़ वास्तु समाधान
कर्ज बढ़ रहा है
बच्चा नशा करता है
पति बीमार है
काम छूट गया है
पं. पंकज शर्मा
मैं करूंगा समाधान
पाटन वाले गुरुजी
Mob.9977444550
पता - शिव मंदिर के पास, जेल रोड, इंदौर

स्थान परिवर्तन
नया स्थान : शॉप नं. 14 जगजीवन राम नगर, सोनी बिल्डिंग मटेरियल के पास, सोनी पेंट्स, एम.आई.जी. रोड, इंदौर
नवकार फार्मेसी मेडिकल शॉप
क्लिनिक : श्री गोपाल हड्डी रोग दवाखाना (हाड़ वैद्य) उज्जैन वाले
डॉ. एच.के. सिरोलिया
जोड़ एवं फ्रेक्चर हड्डी रोग विशेषज्ञ
मिलने का समय प्रति मंगलवार और शुक्रवार समय : दोप. 1 से शाम 5 बजे तक
Mob. 7000813235, 9669110800

सीमेन्ट आर्टिकल के थोक एवं खेरची विक्रेता
ए.के. ट्रेडर्स
फ्रन्ट एलीवेशन, फैन फ्लावर, फ्लावर बार्डर, कालम कुम्भी, कवेलु ब्लाक, बिल्सी, राजधानी पैटनें मेहराब खम्बे डिजाईन वाले, लालटेन, तोड़ी पे. आर.सी.सी. चेम्बर, ड्रेनेज लाईन एवं समस्त
ऑफिस : 220/5, नामदार, रवीदास धर्मशाला के सामने, उज्जैन (म.प्र.)
अखलाक हुसैन, मुस्तकिम हुसैन
मोबाइल 9827253852, 83192 9962, 7869555897

हस्तरेखाएं बोलती है कब? क्यों? कैसे?
जीवन की कठिन परेशानियों व्यापार नहीं चलना, विवाह या प्रेम विवाह में बाधा, कर्ज का बोझ, गृह कलेश, मानसिक अशांति व आर्थिक समस्याओं का सटीक हल प्राप्त करें। शुद्ध जन्म पत्रिका बनवाने व पत्रिका मिलान हेतु सम्पर्क करें।
पं. रुपेश रमेशचंद्र नाहर
(M.A. Astrologer)
प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य, भारतीय ज्योतिष विज्ञान संस्थान
नानाखेड़ा बस स्टेण्ड के पीछे, ए-5/8, महाकाल वाणिज्य केन्द्र, सांई पैलेस होटल के सामने, उज्जैन
नोट- फोन पर समय लेकर मिले। समय दोपहर 1 से 5 बजे तक
मोबाइल- 9827007312, 98277-33384
(web.www.jyotishdham.in)

बिना ऑपरेशन कान के मवाद से मुक्ति
कटे कान जुड़वाएं
किडनी की पथरी का अंत तुरंत
निःशुल्क दवा प्राप्त करें
डॉ. पी.पी. ओझा
कर्ण रोग विशेषज्ञ
9425360006,9425107617
प्रति शनिवार को मिले
निकास चौराहा बुधवारिया, उज्जैन

उज्जैन में पहली बार मालवा का नया स्वाद
नया व्यंजन
दाल टिकड़
कोयले की आंच पर सीके हुए
पार्सल सुविधा उपलब्ध
होटल सांई दरबार
A PURE VEGETARIAN RESTAURANT
22, बख्तार मार्ग, होटल सांई पैलेस के पास, फ्रीगंज, उज्जैन
फोन नं. 0734-4061888 मो. 9009866000

स्वत्वाधिकारी अवंतिका प्रकाशन (भागीदारी फर्म) के लिए प्रकाशक, मुद्रक संदीप मेहता द्वारा अवंतिका ऑफसेट 2, रानी लक्ष्मीबाई मार्ग उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं ए-5 द्वितीय तल विजयनगर मेन रोड इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक : संदीप मेहता, फोन : 0731-4085777, मोबा. 9827771777 e-mail: awantikapressind@gmail.com